रजिस्ट्री सं० डी० (डी०)-73 REGISTERED NO.D.(D.)-73

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY GOVT OF INDIA

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 4, 1979/श्रावण 13, 1901

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 4, 1979/SRAVANA 13, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1979

का०आ० 2620.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि अप्रैल, 1978 में हुए लोक सभा के लिए उप निर्वाचन के लिए II—बाह्य मणिपुर (अ० ज० जा०) संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री आर० मोयोल, कोमलथाबी, बी० पी० ओ० लिवाचेंगनिंग, मणिपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायौचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री आर० मोयोल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है ।

[सं० 76/मणिपुर-लो० स०/2/78 (उप)]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 9th July, 1979

S.O. 2620.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Moyol, Komlathabi, B.P.O. Liwachangning, Manipur, a contesting candidate for bye-election to the House of the People, held in Apirl, 1978 from II-Outer Manipur (ST) Parliamentary Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas the said candidate, even after the notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason justification for the failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Moyol to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order

[No. 76/MR-HP/2/78(Bye)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

का०आ० 2621.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, नीचे दी गई तालिका के कालम 3 में दिखाए गए विशेष पुलिस स्थापना के मामलों के संबंध में उक्त तालिका के कालम 2 में निर्दिष्ट कलकत्ता के न्यायालयों में राज्य की ओर से अभियोजन का संचालन करने हेतु श्री शिशिर कुमार घोष, अधिवक्ता, कलकत्ता को विशेष लोक-अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है :—

तालिका

क्रम सं०	न्यायालय का नाम	विशेष पुलिस स्थापना मामला संख्या
1.	अपर विशेष न्यायाधीश का न्यायालय, कलकत्ता	श्री बी० बी० ओझा तथा अन्यों के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 62/75-वि० पु० स्थापना—कलकत्ता ।
2.	—यथोपरि—	श्री एस० के० बोस के विरुद्ध नियमित मामला सं० 47/72-वि० पु० स्थापना, कलकत्ता ।
3.	तीसरे अपर विशेष न्यायाधीश का न्यायालय कलकत्ता ।	श्री ए० के० डे० के विरुद्ध नियमित मामला स० 14/75-वि० पु० स्थापना—कलकत्ता ।

[सं० 225/10/79-ए० वी० डी०-II(i)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 19th July, 1979

S.O.2621.—In excercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri Sisir Kumar Ghosh, Advocate, Calcutta, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution on behalf of the State in the Courts at Calcutta specified in column 2 of the Table below in relation to Special Police Establishment cases shown in column 3 thereof :

TABLE

Serial No. Name of the Court	SPE Case No.
(1) Court of Additional Special Judge, Calcutta.	Regular case No. 62/75-SPE Calcutta against Shri B.B. Ojha and others.
(2) -do-	Regular case N.o. 47/72-SPE Calcutta against Shri S.K. Bose.
(3) Court of 3rd Additional Special Judge, Calcutta.	Regular case No. 14/75-SPE Calcutta against Shri A.K.Dey

[No. 225/10/79-AVD. II(i)]

का०आ० 2622.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा नीचे दी गई तालिका के कालम 3 में दिखाए गए विशेष पुलिस स्थापना के मामलों के संबंध में उक्त तालिका के कालम 2 में निर्दिष्ट कलकत्ता के न्यायालयों में राज्य की ओर से अभियोजन का संचालन करने हेतु श्री दुर्गापद दत्त, अधिवक्ता, कलकत्ता, को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है :—

तालिका

क्रम सं०	न्यायालय का नाम	विशेष पुलिस स्थापना मामला सं०
1.	तीसरे अपर विशेष न्यायाधीश का न्यायालय, कलकत्ता	श्री बी० एन० बसु के विरुद्ध नियमित मामला सं० 7/73-कलकत्ता ।
2.	—यथोपरि—	श्री एम० एम० राय चौधरी के विरुद्ध नियमित मामला सं० 12/72-कलकत्ता ।
3.	अपर विशेष न्यायाधीश का न्यायालय, कलकत्ता	श्री एन० के० घोष के विरुद्ध नियमित मामला सं० 54/74-कलकत्ता ।
4.	सब-डिविजनल न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय, बैरकपुर	श्री एस० के० दत्त, भा० प्र० से० के विरुद्ध नियमित मामला संख्या 24/75-कलकत्ता ।

[सं० 225/10/79-ए० वी० डी०-II(ii)]

टी० के० सुब्रमण्यन, अवर सचिव

S.O.2622.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Shri Durgapada Dutta, Advocate Calcutta, as a Special Public Prosecutor for conducting the prosecution on behalf of the State in the Courts at Calcutta specified in column 2 of the Table below in relation to Special Police Establishment cases shown in column 3 thereof :

TABLE

Serial No. Name of the Court	SPE case No.
(1) Court of 3rd Addl. Special Judge, Calcutta.	Regular case No. 7/73-Calcutta against Shri B.N. Basu.
(2) -do-	Regular case No. 12/72 -Cal. against Shir M.M. Roy Choudhry
(3) Court of Addl. Special Judge, Calcutta.	Regular case No. 54/74-Cal. against Shri N.K. Ghosh.
(4) Court of Sub-Divisional Judl. Magistrate, Barrackpore.	Regular case No. 24/75-Calcutta against Shri S.K. Dutta, IAS.

[No. 225/10/79-AVD.II(ii)]

T. K. SUBRAMANIAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1979

आयकर

का०आ० 2623.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री वी० एस० सावकारे और श्री वी० डी० वातकाला को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है ।

2. यह अधिसूचना, श्री वी० एस० सावकारे और श्री वी० डी० वातकाला के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी ।

[सं० 2900 (फा०सं० 404/132 (क०व०अ०-पुणे)/79-आ०क०स०क०)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 30th June, 1979

INCOME-TAX

S.O. 2623.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961), the Central Government hereby authorises S/Shri B. S. Sawkaray and V. D. Dankale being gazetted officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri B. S. Sawkaray and V. D. Dankale take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 2900 (F. No. 404/132 (TRO-Pune)/79-ITCC)]

का०आ० 2624.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की दिनांक 14-4-1977 की अधिसूचना सं० 1723 (फा० सं० 404/83/77-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री बी० एम० चिचखण्डी, श्री आर० एम० यार्दी, श्री एम० जी० हरतालकर, श्री एस० एम० बगाईतकर और श्री के० आर० दुराफे" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री बी० एम० चिचखण्डी, श्री आर० एम० यार्दी, श्री एम० जी० हरतालकर और श्री के० आर० दुराफे" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 2902 (फा० सं० 404/132/क०व०अ०-पुणे/79-आ० क० स० क०)]

S.O. 2624.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in he Department of Revenue and Banking No. 1723 (F. No. 404/83/77-ITCC) dated 14-4-1977 namely : In the said Notification for the words and letters "S/Shri B. M. Chinchkhandi, R. M. Yardi, M. G. Hartalkar, S. Bagaitkar and K. R. Duraphe" the words and letters "S/Shri B. M. Chinchkhandi, R. M. Yardi, M. G. Hartalkar and K. R. Duraphe" shall be substituted.

[No. 2902 (F. No. 404/132 (TRO-Pune)/79-ITCC)]

का०आ० 2625.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 22-1-1978 की अधिसूचना सं० 2098 (फा० सं० 404/83/77-आ० क० स० क०) में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री डी० एस० रावल और श्रीमती गीता वी० सुब्रह्मण्यम" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री डी० एस० रावल" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 2904 (फा० सं० 404/132/क० व० अ०-पुणे/79-आ० क० स० क०)]

S.O. 2625.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2098 (F. No. 404/83/77-ITCC) dated 22-1-78 namely; in the said Notification for the words and letters "Shri D. S. Rawal and Smt. Geetha V. Subramanian" the words and letters "Shri D. S. Rawal" shall be substituted

[No 2904 (F. No 404/132 (TRO-Pune)/79-ITCC)]

का०आ० 2626.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी, श्री के० जे० शाह और श्री आर० एच० शाह को उक्त नियम के अधीन कर-वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. श्री आर० के० शाह और श्री एम० एम० ब्रह्मभट्ट की कर-वसूली अधिकारी के रूप में जो नियुक्ति 16 फरवरी, 1979 की अधिसूचना सं० 2729 फा० सं० 404/26/78-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत अधिसूचित की गयी थी; वह एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना श्री के० जे० शाह और श्री आर० एच० शाह द्वारा कर-वसूली अधिकारी के रूप में कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2906 (फा० सं० 404/73/क० व० अ०-गुजरात/79-आ० क० स० क०)]

S.O. 2626.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri K. J. Shah and R. H. Shah being Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of S/Shri R. K. Shah and M. M. Brahmbhatt as Tax Recovery Officers made vide Notification No. 2729 (F. No. 404/26/78-ITCC) dated 16-2-1979 hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri K. J. Shah and R. H. Shah take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 2906 (F. No. 404/73/TRO-Guj/79-ITCC)]

का०आ० 2627.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप खण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री बी० के० शाह को जो, केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त नियम के अधीन कर-वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. श्री एच० डी० शाह की कर वसूली अधिकारी के रूप में जो नियुक्ति 21 जनवरी, 1979 की अधिसूचना सं० 2152 (फा० सं० 404/39/77-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत अधिसूचित की गयी थी वह एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना श्री बी० के० शाह द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2908 (फा० सं० 404/73-क० व० अ०-गुजरात/79-आ० क० स० क०)]

S.O. 2627.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. K. Shah being a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri H. D. Shah as Tax Recovery Officer made under Notification No. 2132 (F. No. 404/39/77-ITCC) dated 21-1-1978 hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. K. Shah takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2908 (F. No. 404/73/TRO-Guj/79-ITCC)]

का० आ० 2628.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री जेड० जेड० सैयद को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त नियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. श्री आर० एस० बालसरे की कर वसूली अधिकारी के रूप में जो नियुक्ति 25 मई 1976 अधिसूचना सं० 1332 (फा० सं० 404/98/76-आ० क० स० क०) के अन्तर्गत अधिसूचित की गयी थी, वह एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना श्री जेड० जेड० सैयद द्वारा कर-वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2910 (फा० सं० 404/73-क०व०अ०/गुजरात/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2628.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Z. Z. Saiyed being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri R. S. Balsare as Tax Recovery Officer made under Notification No. 1332 (F. No. 404/98/76-ITCC) dated 25-5-76 hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Z. Z. Saiyed takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2910 (F. No. 404/73/TRO-Guj/79-ITCC)]

का० आ० 2629.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री एच० टी० केंगे को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. श्री आर० एच० हसीजा की, दिनांक 1 जुलाई 1977 की अधिसूचना सं० 1854 (फा० सं० 404/140/77-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी के रूप में की गयी नियुक्ति एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

3. यह अधिसूचना, श्री एच० टी० केंगे के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2912 (फा० सं० 404/23/क०व०अ०-म० प्र०/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2629.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri H. T. Kenge being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri R. H. Hassija as Tax Recovery Officer made under Notification No. 1854 (F. No. 404/140/77-ITCC), dated 1-7-1977 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri H. T. Kenge takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2912 (F. No. 404/23/TRO-MP/79-ITCC)]

का० आ० 2630.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री एच० सी० थिंड को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. श्री डी० आर० नन्दा की, दिनांक 21-9-1978 की अधिसूचना सं० 2120 (फा० सं० 404/110/78-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी के रूप में की गयी नियुक्ति निरस्त की जाती है।

3. यह अधिसूचना, श्री एच० सी० थिंड के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2914 (फा० सं० 404/126/क०व०अ०-जालन्धर/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2630.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri H. C. Thind, who is a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri D. R. Nanda, made under Notification No. 2120 (F. No. 404/110/78-ITCC), dated 21-9-1978 is cancelled.

3. The Notification shall come into force with effect from the date Shri H. C. Thind takes over as Tax Recovery Officer.

[No. 2914 (F. No. 404/126/TRO-Jullundhr/79-ITCC)]

का० आ० 2631.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री मोहम्मद हसन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. श्री श्रीविलास की, दिनांक 15-6-1979 की अधिसूचना सं० 2861 (फा० सं० 404/125/(क०व०अ०-बिहार)/79-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी के रूप में की गयी नियुक्ति एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

3. यह अधिसूचना, श्री मोहम्मद हसन के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2916 (फा० सं० 404/125/क०व०अ०-बिहार/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2631.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Md. Hassan being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri Srivilas as Tax Recovery Officer made under Notification No. 2861 (F. No. 404/125 (TRO-Bihar)/79-ITCC), dated 15-6-1979 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Md. Hassan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2916 (F. No. 404/125/TRO-Bihar/79-ITCC)]

का० आ० 2632.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री बी० के० राऊत को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. श्री एस० सी० महन्ती की, दिनांक 15-1-1976 की अधिसूचना संख्या 1203 (फा० सं० 404/169/75-आ०क०स०क०) के साथ पठित दिनांक 10-11-1975 की अधिसूचना सं० 1148 (फा०सं० 404/169/75-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत की गई नियुक्ति एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

3. यह अधिसूचना, श्री बी० के० राऊत के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2918 (फा० सं० 404/134/क०व०अ०-उड़ीसा/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2632.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. K. Rout, being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri S. C. Mohanty as Tax Recovery Officer made under Notification No. 1148 (F. No. 404/169/75-ITCC), dated 10-11-1975 read with No. 1203 (F. No. 404/169/75-ITCC), dated 15-1-1976 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. K. Rout takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 1918 (F No. 404/134/TRO-Orissa/79-ITCC)]

का० आ० 2633.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० के० शर्मा, श्री एल० डी० अग्रवाल तथा श्री एम० एस० मेहरा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. श्री एच० सी० थिंड तथा श्री एम० जी० शर्मा की जो नियुक्ति 26 अगस्त 1978 की अधिसूचना संख्या 2486 (फा०सं० 404/106/77-आ० क०स०क०) तथा 4-10-1978 की संख्या 2531 (फा० सं० 404/106/77-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत अधिसूचित की गयी थी वह एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना श्री आर०के० शर्मा, एल०डी० अग्रवाल तथा श्री एस०एस० मेहरा द्वारा कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2920 (फा०सं० 404/133/क०व०अ०-पटियाला/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2633.—In pursuance of sub-clause (iii) of the clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri R. K. Sharma, L. D. Aggarwal and S. S. Mehra being gazetted officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointments of Shri H. C. Thind and Shri M. G. Sharma made under Notification No. 2486 (F. No. 404/106/77-ITCC) dated 26-8-78 and No. 2531 (F. No. 404/106/77-ITCC) dt. 4-10-78 respectively are hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri R. K. Sharma, L. D. Aggarwal and S. S. Mehra take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 2920 (F. No. 404/133/TRO-Patiala/79-ITCC)]

का० आ० 2634.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के राजस्व विभाग की, दिनांक 26 मई, 1978 की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में श्री जे०एल० कपूर और 'श्री के०के० शर्मा' शब्दों और अक्षरों के स्थान पर 'श्री जे० एल० कपूर' शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किये जाते हैं।

[सं० 2922 (फा० सं० 404/133/क०व०अ०-पटियाला/79-आ०क०स०क०)]

S.O. 2634.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the government of India in the Department of Revenue No. 2320 (F. No. 404/106/77-ITCC) dated 26-5-1978 namely; In the said Notification for the words and letters "S/Shri J. L. Kapoor and K. K. Sharma" the words and letters "Shri J. L. Kapoor" shall be substituted.

[No. 2922 (F. No. 404/133/TRO-Patiala/79-ITCC)]

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1979

का० आ० 2635.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, श्री ओ०एन० दीक्षित को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. श्री के०एल० मेघ की, दिनांक 23-1-1979 की अधिसूचना संख्या 2676 (फा० सं० 404/17/क०व०अ०-जोधपुर/79-आ०क०स०क०) के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी के रूप में की गयी नियुक्ति एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

3. यह अधिसूचना, श्री ओ०एन० दीक्षित के कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 2924 (फा० सं० 404/17/क०व०अ०-जोधपुर/79-आ०क०स०क०)]

New Delhi, the 2nd July, 1979

S.O. 2635.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri O. N. Dixit being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri K. L. Megh as Tax Recovery Officer made under Notification No. 2676 (F. No. 404/17/TRO-Jodhpur/79-ITCC), dated 23-1-1979 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri O. N. Dixit takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 2924 (F. No. 404/17/TRO-Jodhpur/79-ITCC)]

का० आ० 2636.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 24-10-1978 की अधिसूचना संख्या 2554 (फा० सं० 404/91/77-आ०क०स०क०) में, जिसे दिनांक 23-1-1979 की अधिसूचना संख्या 2674 (फा० सं० 404/17/क०व०अ०-जोधपुर/79-आ०क०स०क०) के जरिये संशोधित किया गया था, निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् उक्त अधिसूचना में "श्री पी०एस० पुरी और श्री आर०सी० गोस्वामी" शब्दों और अक्षरों के स्थान पर "श्री आर०सी० गोस्वामी" शब्द और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 2926 (फा० सं० 404/17/क०व०अ०-जोधपुर/79-आ०क०स०क०)]

एच० वेंकटरामन्, उप-सचिव

S.O. 2636.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2554 (F. No. 404/91/77-ITCC), dated 24-10-1978 and modified vide No. 2674 (F. No. 404/17/TRO-Jodh/79-ITCC), dated 23-1-1979 namely; In the said Notification for the words and letters "S/Shri P. S. Puri and R. C. Goswami" the words and letters "Shri R. C. Goswami" shall be substituted.

[No. 2926 (F. No. 404/17/TRO-Jodh/79-ITCC)]

H. VENKATARAMAN, Dy. Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी निर्गम नियंत्रक का कार्यालय केन्द्रीय सचिवालय)

नई दिल्ली 13 जुलाई, 1979

अधिसूचना

का० आ० 2637.—केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना द्वारा पूंजी निर्गम (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 29) की धारा 11 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस मंत्रालय की दिनांक 22 जुलाई, 1977 की अधिसूचना संख्या का० आ० 2442 के अन्तर्गत पूंजी निर्गम नियंत्रण के लिए गठित परामर्शदात्री समिति की अवधि को 22-7-1979 से एक वर्ष तक की अवधि के लिए बढ़ाती है।

[एफ० 16(1)-सी०सी०आई०/77]

ए०वी० गणेशन, संयुक्त सचिव

(Department of Economic Affairs)

Office of the Controller of Capital Issues

Central Secretariat

New Delhi, the 13th July, 1979

S.O. 2637.—In exercise of the powers conferred by Section 11 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby extends the tenure of the Advisory Committee on Capital Issues Control constituted under this Ministry's Notification No. S.O. 2442, dated 22nd July, 1977 by a period of one year with effect from 22nd July, 1979.

[F. 16(1)-CCI/77]

A. V. GANESAN, Jt. Secy.

New Delhi, the 16th July, 1979

CORRIGENDUM

S.O. 2638.—In Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division)'s Notification of even number dated 25th June, 1979, relating to the appointment of the Chairman of Magadh Gramin Bank, Gaya, the words "Shri B. K. Prasad" occurring in the third line thereof may be substituted by the words "Shri R. K. Prasad".

[No. F. 3-1/79-RRB]

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

का० आ० 2639.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) (जिसे इसमे आगे उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 29 मई, 1976 के भारत राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2) में पृष्ठ 1817 पर प्रकाशित 5 मई, 1976 की, भारत सरकार, राजस्व और बैंकिंग विभाग (बैंकिंग पक्ष) की अधिसूचना सं० एफ० 8/12/76-ए०सी० के अनुक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 और 24 के उपबन्ध 22 जुलाई, 1979 से तीन वर्ष की और अवधि के लिये किसी सहकारी बैंक पर वहां तक लागू नहीं होंगे, जहां तक कि वह यह अपेक्षा करते है कि वह सहकारी बैंक, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) के अधीन स्थापित राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम से इस बैंक द्वारा लिये गये ऋणों या अग्रिमों से उत्पन्न होने वाले दायित्व के सम्बन्ध में क्रमशः नकद और आरक्षित और परिसम्पत्तियों की प्रतिशतता बनाये रखेगा :

परन्तु शर्त यह है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 के अधीन नकद आरक्षित और धारा 24 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन उक्त बैंक द्वारा सभी अन्य मांग और सावधिक दायित्वों के संबंध में रखी गयी परिसम्पत्तियों की गणना करते समय, उक्त निगम से लिए गए ऋण का असंवितरित अंश और उक्त निगम से लिए गए ऋणों के खाते की गयी, किन्तु उक्त निगम को अप्रेषित वसूलियां शामिल नहीं की जायेंगी।

[संख्या 8(22)/79-ए०सी०]

दिनेश चन्द्र, निदेशक

(Banking Division)

New Delhi, the 19th July, 1979

S.O. 2639.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), (hereafter referred to as the said Act), and in continuation of the notification of the Government of India, Department of Revenue and Banking (Banking Wing) No. F. 8/12/76-AC, dated the 5th May, 1976 published at page 1817 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 29th May, 1976, the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sections 18 and 24 of the said Act shall not for a further period of three years from 21st July, 1979 apply to a co-operative bank in so far as they require the co-operative bank to maintain the percentage of cash reserve and assets respectively mentioned therein in respect of liabilities arising out of the loans or advances availed of by such bank from the National Co-operative Development Corporation established by Government of India under the National Co-operative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962) :

Provided that in computing the cash reserve under section 18 and the assets which the said bank maintained under clause (a) of sub-section (2A) of section 24 respectively of the said Act, in respect of all other demand and time liabilities, the undisbursed portion of the loan availed of from the Corporation and the unremitted recoveries to the Corporation on account of the borrowing from the Corporation shall be excluded.

[No. 8(22)/79-AC]

DINESH CHANDRA, Director

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1979

का० आ० 2640.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार मैसर्स पी०के० चोपड़ा एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स, एन-84, कनाट प्लेस, नई दिल्ली को 1978-79 वर्ष के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का लेखा परीक्षक नियुक्त करती है।

[संख्या एफ० 1(6) 79-एकाउंट]

एन० बालासुब्रह्मण्यन, उप-सचिव

New Delhi, the 18th July, 1979

S.O. 2640.—In exercise of the powers conferred by Section 50 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Govt. hereby appoints M/s. P. K. Chopra and Co., Chartered Accountants, N-84 Connaught Circus, New Delhi as Auditors of the Reserve Bank of India for the year 1978-79.

[No. 1(6)79/Accts]

N. BALASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

का० आ० 2641.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध इस अधिसूचना के भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 28 फरवरी, 1982 तक की अवधि के लिये हरदा कोआपरेटिव सेंट्रल बैंक लि०, होशंगाबाद पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका सम्बन्ध इसकी गैर-बैंकिंग परिसम्पत्ति अर्थात् पिपरिया रेलवे स्टेशन के पास एक भवन की धारिता से है।

[सं० 8(19) 79-ए०सी०]

S.O. 2641.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to the Harda Co-operative Central Bank Ltd., Hoshangabad in so far as they relate to its holding of a non-banking asset viz. a building near Railway Station Pipariya for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to 28th February, 1982.

[No. 8(19)/79-AC]

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1979

का० आ० 2642.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से एतद्द्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 29 फरवरी, 1980 तक की अवधि के लिए दिल्ली स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, दिल्ली पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 8(20) 79-ए०सी०]

यशवन्त राज, अवर सचिव

New Delhi, the 11th July, 1979

S.O. 2642.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of section 11 of the said Act shall not apply to the Delhi State Co-operative Bank Ltd., Delhi for a period from the date of publication of this notification in the official gazette to 29th February, 1980.

[No. 8(20)/79-AC]

YASHWANT RAJ, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई 1979

का॰ आ॰ 2643.—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उपधारा (2) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक मंडल की सिफारिश पर, एतद्द्वारा उक्त निगम द्वारा 9 अगस्त, 1979 को जारी किये जाने वाले और 9 अगस्त, 1989 को परिपक्व होने वाले बाडों पर दी जाने वाली ब्याज की दर 6-1/2 प्रतिशत (साढ़े छ प्रतिशत) वार्षिक तय करती है।

[संख्या एफ॰ 2(50) आई॰एफ॰-1/79]

बी॰सी॰ पटनायक, निदेशक

New Delhi, the 19th July, 1979

S.O. 2643.—In pursuance of sub-section (2) of section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 6,1/2 per cent (six and a half per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said Corporation on 9th August, 1979 and maturing on 9th August, 1979.

[No. F. 2(50)IF.I/79]

B. C. PATNAIK, Director

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1979

का॰ आ॰ 2644.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध इस अधिसूचना की तारीख से दो वर्षों की अवधि तक के लिये बैंक आफ इंडिया बम्बई पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध इसके द्वारा मैसर्स गोल्ड मोहर मिल्स लि॰, बम्बई के शेयरों की धारिता से है।

[संख्या 15(18)-बी॰ओ॰-III/79]

New Delhi, the 21st July, 1979

S.O. 2644.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of Section 19 of the said Act shall not apply for a period of two years from the date of this notification to the Bank of India, Bombay, in so far as they relate to its holding of the shares in M/s. Gold Mohur Mills Ltd., Bombay as pledgee.

[No. 15(18)-B.O. III/79]

का॰ आ॰ 2645.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध, 8 जून, 1980 तक पंजाब एण्ड सिंध बैंक लिमिटेड, नई दिल्ली पर गैर-बैंकिंग परिसम्पत्तियों अर्थात् दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में ग्राम पासोंगीपुर स्थित 3 बीघा 12 बिस्वे माप वाली जमीन पर तथा ग्राम असलतपुर खादर के बराबर वाली एक बीघा जमीन पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15(16)-बी॰ओ॰-III/79]

S.O. 2645.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply upto 8th June 1980 to the Punjab & Sind Bank Ltd., New Delhi, in respect of the non-banking assets, viz. properties admeasuring 3 Bighas 12 Biswas of land in Passongipur village and 1 Bigha in adjoining village Asalatpur Khadar in Union Territory of Delhi.

[No. 15(16)-B. O. III/79]

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 1979

का॰ आ॰ 2646.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध एक वर्ष की और अवधि के लिये अर्थात् 28 अप्रैल, 1980 तक यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका सम्बन्ध बैंक द्वारा प्लेजी के रूप में स्टैण्डर्ड मोपेड कम्पनी प्रा॰ लि॰, कलकत्ता के शेयरों की धारिता से है।

[संख्या 15(8)-बी॰ओ॰-III/79]

New Delhi, the 23rd July, 1979

S.O. 2646.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India for a further period of 1 year i.e. upto 28th April, 1980 in respect of the shares of Standard Moped Co. Pvt. Ltd., Calcutta held by it, as pledgee.

[No. 15(8)-B. O. III/79]

का॰ आ॰ 2647.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के उपबन्ध इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 2 वर्षों की अवधि के लिये यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका सम्बन्ध उक्त बैंक के प्लेजी के रूप में एस्काल इण्डिया प्रा॰ लि॰, कलकत्ता के शेयरों की धारिता से है।

[संख्या 15(19)-बी॰ओ॰-III/79]

S.O. 2647.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act shall not apply to United Bank of India for a period of 2 years from the date of issue of this notification in respect of the shares of the Escal India Pvt. Ltd., Calcutta held by it as pledgee.

[No. 15(19)-B. O. III/79]

का॰ आ॰ 2648.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषित करती है कि उपर्युक्त अधिनियम की धारा 19(2) के उपबन्ध 21 जुलाई, 1979 से दो वर्ष की अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया, कलकत्ता पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक कि उनका सम्बन्ध इस बैंक द्वारा बंगाल इनेमल वर्क्स लिमिटेड के 6.56 लाख रुपये मूल्य के शेयर अपने पास गिरवीदार के रूप में रखने से है।

[सं॰ 15(21)-बी॰ओ॰-III/79]

एन॰ डी॰ बत्रा, अवर सचिव

S.O. 2648.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (2) of section 19 of the said Act will not apply to the United Bank of India, Calcutta for a period of two years from the 21st July, 1979, in so far as they relate to its holding in the shares of the paid up value of Rs. 6.56 lakhs of the Bengal Enamel Works Ltd., Calcutta, as pledgee.

[No. 15(21)-B. O. III/79]

N. D. BATRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1979

आदेश

का०आ० 2649.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन-पत्र पर विचार करने के बाद यूनाइटेड मर्केन्टाइल कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद (जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के सम्बन्ध में, एतद्द्वारा 21 जुलाई, 1979 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर 19 जुलाई, 1980 तक और उस दिन को मिलाकर, अधिस्थगन आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आदेश की अवधि के दौरान इसे सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्रवाइयों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्रवाइयों को जारी रखना स्थगित किया जाता है बशर्ते कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से गुजरात सहकारी समितियां अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत गुजरात सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उसके द्वारा स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान यह सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को लिखित पूर्वानुमति के बिना कोई ऋण अथवा अग्रिम नहीं देगा, अथवा उसका नवीकरण नहीं करेगा, यह बैंक अपने सामान्य कारोबार के दौरान की स्थिति को छोड़कर, कोई सम्पत्ति नहीं देगा अथवा नहीं बेचेगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा, अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के सम्बन्ध में अथवा अन्य किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च कर सकेगा:—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक:—

जमा राशि	देय राशि
50 रुपये तक	पूरी
50 रुपये से अधिक	जमा राशि का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये, दोनों में से जो भी अधिक हो।

बशर्ते कि अदा की गई रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में कुल जमा राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें से जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो:

बशर्ते कि ऐसे किसी जमाकर्ता को कोई और रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार सहकारी बैंक का कर्जदार हो;

(2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, पे आर्डर अथवा चैकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये हैं और उनकी अदायगी नहीं की गई है, जिस तारीख को स्थगन आदेश लागू होता है,

(3) 21 जुलाई, 1979 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को अथवा उस तारीख के बाद वसूल की गई हुण्डियों की राशियां;

(4) ऐसा कोई व्यय, जो सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किये गये मुकदमें, अपील अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गई डिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को वसूल करने के सम्बन्ध में करना आवश्यक हो;

बशर्ते कि मुकदमें, अपील अथवा डिगरी के सम्बन्ध में किये जाने वाले व्यय कम राशि 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

(5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार से बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो:

बशर्ते कि जहां एक कैलेण्डर मास में किसी एक मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले छः कैलेण्डर महीनों में उस मद पर किये गये औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो अथवा जहां उस मद के सम्बन्ध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस पर किया जाने वाला व्यय 250 रुपये की राशि से बढ़ जाये तो उस प्रकार का व्यय करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप से अनुमति ली जायेगी।

3. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह भी निदेश देती है कि इस सहकारी बैंक के अधिस्थगन की अवधि के दौरान:—

(क) यह सहकारी बैंक निम्नलिखित अदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों पर गुजरात सरकार अथवा गुजरात राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड अथवा भारतीय स्टेट बैंक अथवा उसके किसी अनुषंगी बैंक अथवा किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिये गये ऋणों और अग्रिमों को अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाये जाने शेष थे, की अदायगी के लिए जो आवश्यक हो;

(ख) यह सहकारी बैंक पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिए गुजरात राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते में लेन-देन कर सकता है:

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि इस सहकारी बैंक को किसी रकम के दिये जाने से पहले गुजरात राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड अथवा वैसे किसी बैंक को इस सम्बन्ध में अपने आपको आश्वस्त करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का इस बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) यह सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो वसूल न की गई हों, उनको प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा, यदि इस सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो अथवा वैसी हुण्डी में उसका कोई हित न हो;

(घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस बैंक के पास किसी ऋण, नकद कर्ज, अथवा ओवर ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टि बन्धक अथवा बन्धक रखी गई हों अथवा अन्यथा प्रभारित की गई हों, निम्नलिखित तरीके से और सीमा तक छोड़ अथवा दे सकता है।

(1) किसी ऐसे मामले में, जहां सहकारी बैंक को ऋणकर्ता अथवा ऋणकर्ताओं में से जो भी हो उससे बिना शर्त प्राप्त की गई सभी राशियों की पूरी अदायगी करनी हो; और

(2) किसी अन्य मामले में, निर्दिष्ट अनुपात से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थे, इनमें से जो भी ऊंचे हों, उतने उक्त माल और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपात को कम किये बिना उतनी रकम जितनी आवश्यक अथवा सम्भव हो।

[सं० 8(21) 79-ए० सी०]

माधव वैद्य, अवर सचिव

New Delhi, the 20th July, 1979

ORDER

S.O. 2649.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium in respect of the United Mercantile Cooperative Bank Ltd., Ahmedabad (hereinafter referred to as the Cooperative Bank), for the period from the close of business on the 21st July, 1979 upto and inclusive of the 19th January, 1980 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Cooperative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Gujarat of its powers under the Gujarat Cooperative Societies Act, 1961.

2. The Central Government hereby directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Cooperative Bank shall not, without the prior permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan, make or renew any advances, nor alienate or dispose of any assets of the bank except in the ordinary course of business, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities or obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangements, except making of payments, or incurring of expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) Out of the balance in every savings bank or current account or in any other deposit account, by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher.

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit, or Rs. 50 whichever is higher.

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Cooperative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Cooperative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 21 July, 1979 whether realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Cooperative Bank, or for realising any amounts due to it;

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Cooperative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Cooperative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item during the said period and the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3 The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Cooperative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Cooperative Bank by the Government of Gujarat or the Gujarat State Cooperative Bank Ltd. or the State Bank of India or any of its subsidiaries or by any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Gujarat State Cooperative Bank Ltd. or with any other bank for the purposes of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Gujarat State Cooperative Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Cooperative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons, if the Cooperative Bank has no right or title to, or interest in such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which have been pledged, hypothicated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Cooperative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions or the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came into force, whichever may be higher.

[No. 8(21)/79-AC]

M. R. VAIDYA, Under Secy.

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

बंगलौर, 23 जून, 1979

सीमाशुल्क

का० आ० 2650.—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 (1962 का 52) द्वारा प्रदत्त तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की तारीख 18 जुलाई, 1975 की अधिसूचना संख्या 79 सीमाशुल्क—फा० सं० 473/2/75 सीमाशुल्क-7 द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समाहर्ता, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बंगलौर कर्नाटक समाहर्तालय ने एतद्द्वारा कर्नाटक राज्य के मैसूर जिले के मैसूर तालुक के "मेटगल्लि ग्राम" को "भाण्डागार केन्द्र" घोषित किया है।

[संख्या 2/79/सी० सं० VIII 40/4/79 सीमाशुल्क)]

टी० एम० स्वामिनाथन, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Bangalore, the 23rd June, 1979

CUSTOMS

S.O. 2650.—In exercise of the powers conferred under Section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with Notification No. 79/Customs/F. No. 473/2/75/Cus.-VII, dated 18-7-75 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), the Collector of Central Excise and Customs, Bangalore, Karnataka Collectorate hereby declares "METAGALLI VILLAGE" situated in Mysore Taluk, Mysore District in the State of Karnataka to be a warehousing station.

[No. 2/79/C. No. VIII/40/4/79-Cus.]

T. S. SWAMINATHAN, Collector

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1978

आयकर

का॰आ॰ 2651.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और मामलों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम संख्या	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिला
1	2	3
1.	पटना रेंज	(1) विशेष सर्किल, पटना
		(2) आयकर सर्किल, पटना के वार्ड क, ख, ग, घ और ङ
		(3) आई टी ओ सर्वेक्षण, पटना
		(4) विशेष अन्वेषण सर्किल, पटना
		(5) पटना I, पटना के वार्ड 1, 2 और 3
		(6) पटना II के वार्ड 1, 2 और 3
		(7) विशेष सर्किल I, पटना
		(8) विशेष सर्किल II, पटना
		(9) आयकर सर्किल I, पटना
		(10) आयकर सर्किल II, पटना
		(11) विशेष सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, पटना
		(12) शाहाबाद सर्किल, आरा
		(13) आयकर सर्किल, सासाराम
		(14) आयकर सर्किल, पटना (आयकर सर्किल पटना के वार्ड क, ख, ग, घ और ङ को छोड़कर)
		(15) आयकर सर्किल, नालन्दा
		(16) आयकर सर्किल III, पटना
		(17) आयकर सर्किल, मुंगेर
		(18) आयकर सर्किल II, पटना (वार्ड क, ख, ग, घ और ङ)
2	मुजफ्फरपुर रेंज	(1) आयकर सर्किल, मुजफ्फरपुर
		(2) विशेष सर्किल, मुजफ्फरपुर
		(3) आयकर सर्किल, मोतीहारी
		(4) आयकर सर्किल, बेतिया
		(5) आयकर सर्किल, छपरा
		(6) आई टी ओ सर्वेक्षण, मुजफ्फरपुर
		(7) आयकर सर्किल, सहरसा
		(8) आयकर सर्किल, बेगुसराय
		(9) आयकर सर्किल, दरभंगा
		(10) आयकर सर्किल, पूर्णिया
3.	रांची रेंज	(1) आयकर सर्किल, रांची
		(2) विशेष सर्किल, रांची
		(3) विशेष सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, रांची
		(4) वेतन सर्किल, रांची
		(5) आई टी ओ सर्वेक्षण, रांची
		(6) आयकर सर्किल, डाल्टन गंज
		(7) आयकर सर्किल, जमशेदपुर
		(8) विशेष सर्किल, जमशेदपुर
		(9) वेतन सर्किल, जमशेदपुर
		(10) आई टी ओ सर्वेक्षण, जमशेदपुर
4.	धनबाद	(1) आयकर सर्किल I, धनबाद
		(2) आयकर सर्किल II, धनबाद
		(3) विशेष सर्किल, धनबाद
		(4) आयकर सर्किल बोकारो, बी॰ एस॰ नगर
		(5) आई टी ओ सर्वेक्षण, धनबाद
		(6) आयकर सर्किल, गिरडीह
		(7) आयकर सर्किल, हजारीबाग
		(8) आयकर सर्किल, गया
		(9) आयकर सर्किल, देवघर
		(10) आयकर सर्किल, भागलपुर

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है वहां उस आयकर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पूर्व लंबित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी। परन्तु उपरोक्त सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को उन मामलों या मामलों के प्रकार को छोड़कर जो आयकर आयुक्त (अपील) बिहार को विशेष रूप से समनुदिष्ट किए गए हैं, सभी मामलों या मामलों के प्रकार पर अपीली अधिकारिता होगी।

यह अधिसूचना 20-7-1978 से प्रभावी होगी।

[सं॰ 2415 (फा॰ सं॰ 261/6/78—आई॰टी॰जे॰)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi the 18th July, 1978

INCOME-TAX

S.O. 2651.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, and in Suppersession of all the previous Notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissoiner of Income-tax of the range specified in colmun 2 of the schedule below shall perform their functions in respect of all the persons and incomes assessed to Income tax, or Super-tax in the Income tax circles, wards or districts specified in corresponding entry in column 3 thereof —

SCHEDULE

S No	Range	Income-tax Cricle, Wards & Districts
1	2	3
1	Patna Range	(i) Special Circle, Patna
		(ii) Wards A B, C, D & L of I.T. Circle, Patna
		(iii) I T O, Survey, Patna
		(iv) Special Investigation Circles, Patna
		(v) Wards (i), (ii) & (iii) of Patna-I, Patna
		(vi) Wards (i), (ii) & (iii) of Patna-II
		(vii) Special Circle-I, Patna
		(viii) Special Circle-III, Patna
		(ix) I T Circle-I, Patna
		(x) I T Circle-II, Patna
		(xi) Special E D.-Cum-I T Circle, Patna
		(xii) Shahabad Circle, Arrah
		(xiii) I T Circle, Sasaram
		(xiv) I T Circle, Patna excluding Wards A,B,C,D, & E of I T. Circle, Patna
		(xv) I T Circle, Nalanda
		(xvi) I T Circle-III, Patna
		(xvii) I T Circle, Monghyr
		(xviii) I T Circle-II, Patna (Wards A,B,C D & E)
2	Muzaffarpur Range	(i) I.T Circle, Muzaffarpur
		(ii) Special Circle, Muzaffarpur
		(iii) I T Circle, Motihari
		(iv) I T Circle, Bettiah
		(v) I T Circle, Chapra
		(vi) I T O Survey, Muzaffarpur
		(vii) I T Circle, Saharsa
		(viii) I T. Circle, Begusarai
		(ix) I T Circle, Darbhanga
		(x) I T Circle, Purnea
3.	Ranchi Range	(i) I T Circle, Ranchi
		(ii) Special Circle, Ranchi
		(iii) Special E D -Cum-I T Circle, Ranchi
		(iv) Salary Circle, Ranchi
		(v) I T O. Survey, Ranchi
		(vi) I T. Circle, Daltonganj
		(vii) I T Circle, Jamshedpur
		(viii) Special Circle, Jamshedpur
		(ix) Salary Circle, Jameshedpur
		(x) I T O Survey, Jamshedpur
4	Dhanbad Range	(i) I T Circle-I, Dhanbad
		(ii) I T Circle-II, Dhanbad
		(iii) Special Circle, Dhanbad
		(iv) I T Circle, Bokaro, B S City
		(v) I T O Survey, Dhanbad
		(vi) I T Circle, Giridih
		(vii) I T Circle, Hazaribagh
		(viii) I T Circle, Gaya
		(ix) I T Circle, Deoghar
		(x) I T Circle, Bhagalpur

Where an Income-tax Circle, Ward or District or Part thereof Stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeal arising out of the assessment made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, ward or District or part thereof is transferred Provided that the above Appellate Assistant Commissioners of Income-tax shall hold appellate jurisdiction over the cases or types of cases to the exclusion of those specifically assigned to Commissioner of Income-tax (Appeals), Bihar

This Notification shall take effect from 20-7-1978

[No 2415 (F No o 261/6/78-ITJ)]

नई दिल्ली 20 जुलाई, 1978

का० आ० 2652.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को अधिक्रान्त करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे —

अनुसूची

क्रम संख्या	रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड या जिला
1	2	3
1	कटक रेंज, कटक	1 कटक सर्किल
		2 केन्द्रीय सर्किल, कटक
		3 विशेष सर्वेक्षण सर्किल, कटक
		4 सम्भलपुर सर्किल
		5 झारसुगुडा सर्किल
		6 राउरकेला सर्किल
		7 बलर सर्किल
		8 बारीपदा सर्किल
		9 धूमकमाल सर्किल
2	बोरहामपुर रेंज, बोहरामपुर	1 बोरहामपुर सर्किल
		2 भुवनेश्वर सर्किल
		3 विशेष सर्वेक्षण सर्किल, भुवनेश्वर
		4 पुरी सर्किल
		5 जयपुर सर्किल

1	2	3
		6 भवानी पटना सर्किल
		7 बेलांगीर सर्किल
		8 फूलबानी सर्किल
		9 सम्पदा शुल्क सर्किल, कटक
		10. बेलसोर सर्किल

जहां कोई आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिसमें वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लम्बित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 1-1-1978 से प्रभावी होगी।

[सं० 2427 (फा० सं० 261/10/78-आई०टी०जे०)]

New Delhi, the 20th July, 1978

S.O.2652.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) Section 122 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notification in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby direct that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof :—

SCHEDULE

S. No.	Range	Income-tax Circles/Wards or Distts.
1.	Cuttack Range, Cuttack	1. Cuttack Circle. 2. Central Circle, Cuttack 3. Special Survey Circle, Cuttack 4. Sambalpur Circle 5. Jharsuguda Circle 6. Rourkela Circle 7. Keonjhar Circle 8. Baripada Circle 9. Dhenkanal Circle
2.	Berhampur Range, Berhampur	1. Berhampur Circle 2. Bhubneswar Circle 3. Special Survey Circle, Bhubneswar 4. Puri Circle 5. Jeypore Circle 6. Bhawani Patana Circle 7. Bolangir Circle 8. Phulbani Circle. 9. E.D. Circle, Cuttack 10. Balasore Circle

Whereas an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range. Appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date of this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioners of the Range to whom the said circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-8-1978.

[No. 2427 (F. No. 261/10/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1978

का०आ० 2653.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्ववर्ती अधिसूचना सं० 2382 (फा० सं० 261/8/78-आई०टी०जे०) तारीख 7 जुलाई, 1978 को अधिक्रान्त करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट चार्जों के आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) और (3) में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों, जिलों और रेंजों में आयकर, अधिकर या ब्याज कर से निर्धारित ऐसे सभी व्यक्तियों की बाबत जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज) तक में, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) में, और ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी आदेश से व्यथित हों और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों की बाबत भी जैसा कि बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निर्देश दिया है या भविष्य में निदेश दे, अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

अनुसूची

चार्ज और मुख्यालय	आयकर वार्ड और सर्किल	सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का रेंज
1	2	3
आयकर आयुक्त (अपील) जलन्धर	(i) आ० का० आ० पटियाला की अधिकारिता के भीतर सभी वार्ड सर्किल (जिनके अन्तर्गत चण्डीगढ़, लुधियाना, खन्ना स्थित और केन्द्रीय सर्किल नहीं हैं) जिसमें सम्पदा शुल्क सर्किल सम्मिलित हैं। (ii) आ० क० आ० जलधर की अधिकारिता के भीतर सभी वार्ड/सर्किल, जिसमें अन्तर्गत सम्पदा शुल्क सर्किल भी हैं।	1 आयकर आयुक्त पटियाला की अधिकारिता के भीतर सभी रेंज जिसके अन्तर्गत लुधियाना और चण्डीगढ़ स्थित रेंज नहीं हैं। 2. आयकर आयुक्त जलंधर के अधिकारिता के भीतर सभी रेंज।

यह अधिसूचना 15-7-78 से प्रभावी होगी।

[सं० 2429 (फा० स० 261/11/78-आई० टी० जे०)]

New Delhi, 22nd July, 1978

S.O.2553.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 12-1A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of the previous notification No. 2382 (F. No. 261/8/78-ITJ) dated the 7th July, 1978 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioners of Income-tax (Appeals) of the charges specified in Column (1)

of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Surtax or interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in column (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section 2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961 in sub-section (1) of Section II of Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with Headquarters.	Income-tax wards and Circles.	Ranges of Inspecting Asstt. Commissioners of Income-tax.
1.	2.	3.
Commissioner of Income-tax (Appeals) Jullundur.	(i) All Wards/circles (excluding those located at Chandigarh, Ludhiana & Khanna & Central circles) including E.D. circles with him the jurisdiction of C.I.T. Patiala.	1. All Ranges excluding ranges located at Ludhiana & Chandigah within the jurisdiction of Commr. of I.T. Patiala
	(ii) All wards/circles including E.D. circle within the jurisdiction of C.I.T. Jullundur.	2. All Ranges within the jurisdiction of Commissioner of Income-tax, Jullundur.

This notification shall take effect from 15-7-78

[No. 2429 (F. No. 261/11/78-ITJ]

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1978

का०आ० 2654.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्वतन अधिसूचना सं० 2382 (फा० सं० 261/8/78-आई०टी०जे०) तारीख 7 जुलाई, 1978 को अधिक्रान्त करते हुए निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट चार्जों के आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) और (3) में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों, जिलों और रेंजों में आयकर, अधिकर या ब्याजकर में निर्धारित सभी व्यक्तियों की बाबत जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज) तक में, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) में, और ब्याज कर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी आदेश से व्यथित हों और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों की बाबत भी जैसा कि बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (i) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दे अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

अनुसूची

चार्ज और मुख्यालय	आयकर वार्ड और सर्किल	सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का रेंज
1	2	3
1 आयुक्त (अपील) बंगलौर-1	1. सर्किल 1, बंगलौर 2 आयकर अधिकारी, विदेश अनुभाग, बंगलौर 3 कम्पनी सर्किल 2, 4, 5 और 6, बंगलौर 4 सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, बंगलौर 5 सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, मंगलौर 6 सम्पदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, हुबली 7 केन्द्रीय सर्किल 1 से 5, बंगलौर 8. आयकर अधिकारी, बंगलौर सर्किल (पुराना) द्वारा दिए गए आदेशों के बारे में 9 आयकर अधिकारी जथा पटना द्वारा दिए गए आदेशों के बारे में 10 विशेष सर्वेक्षण सर्किल, बंगलौर 11. बेल्लारी सर्किल, बेल्लारी 12 धारवाड़ सर्किल, धारवाड़ 13. गदाग सर्किल, गदाग 14 गुलबर्गा सर्किल, गुलबर्गा 15. हासपेट सर्किल, हासपेट 16 हुबली सर्किल, हुबली 17. करवार सर्किल, करवार 18 रायपुर सर्किल, रायपुर	1. सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) रेंज-1 बंगलौर 2 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धारवाड़ रेंज, हुबली 3 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) केन्द्रीय रेंज, बंगलौर
आयुक्त (अपील)	1. सर्किल 2, बंगलौर 2 सर्किल 3, बंगलौर 3 कम्पनी सर्किल 1 और 3, बंगलौर 4 कोलार सर्किल, कोलार 5 वेतन सर्किल, बंगलौर-2 6 आयकर अधिकारी, न्यास सर्किल, बंगलौर 7 तुमकूर सर्किल, तुमकूर 8 चित्रदुर्ग सर्किल, चित्रदुर्ग 9. देवगेरा सर्किल, देवगेरा 10 शिमोगा सर्किल, शिमोगा 11. हस्सन सर्किल, हस्सन 12 चिकमगलूर सर्किल, चिकमंगलूर 13. कुर्ग सर्किल, मरकारा 14. मंड्या सर्किल, मंड्या 15 मंगलौर सर्किल, मंगलौर 16 मैसूर सर्किल, मैसूर 17. उडूपी सर्किल, उडूपी 18. बगलकोट सर्किल, बगलकोट 19. बेलगाम सर्किल, बेलगाम 20. बीजापुर सर्किल, बीजापुर 21 मारगाव सर्किल, मारगाव 22 पणजी सर्किल, पणजी	1 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज-II, बंगलौर 2. सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) रेंज-III, बंगलौर 3 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मैसूर रेंज, मैसूर 4. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बेलगाम रेंज, बेलगाम

यह अधिसूचना 27-7-78 से प्रभावी होगी।

[सं० 2419 (फा० सं० 261/11/78-आई०टी०जे०)]

New Delhi, the 2nd August, 1978

S.O.2654.—In exercise of the powers conferred by sub- section (1) of section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of Notification No. 2382 (F. No.261/8/78-ITJ) dated 7-7-78 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioners of Imcome-tax (Appeals) of the Charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perfor n their function in respect of such persons assessed to Income-tax or surtax or interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in columns (2) and (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub- section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961 in sub-section (1) of section II of Companies(Profits) Surtax Act, 1961 (7 of 1964), and in sub- section (1) of section 15 of the Interst Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub- section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with Head Quarteres.	Income-tax Wards and Circles.	Ranges of IACs of Income-tax.
1	2	3
1. Commissioner (Appeals), Bangalore-I,	1. Circle-I, Bangalore. 2. Income-tax officer, Foreign section, Bangalore. 3. Company cricles-II, IV,V&VI, Bangalore. 4. Estate Duty cum income-tax Circle, Bangalore. 5. Estate Duty cum Income-tax Circle, Mangalore. 6. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Hubli. 7. Central Circles I to V, Bangalore. 8. In respect of orders passed by ITOs, Bangalore Circle (Old) 9. In respect of order passed by ITO, Channapatna. 10. Special Survey Circle, Bangalore. 11. Bellary Circle, Bellary. 12. Dharwar Circle, Dharwar. 13. Gadag Circle, Gadag 14. Gulbarga Circle, Gulbarga. 15. Hospet Circle, Hospet. 16 Hubli Circle, Hubli 17. Karwar Circle, Karwar. 18. Raichur Circle, Raichur.	1. Inspg. Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I, Bangalore. 2. Inspg. Asstt. Commissioner of Income -tax, Dharwar Range, Hubli. 3. Inspg. Asstt. Commissioner of income-tax Central Range, Bangalore.
2. Commissioner (Appeals), Bangalore-II.	1. Circle-II, Bangalore. 2. Circle-III, Bangalore 3. Company circles-I &III Bangalore. 4. Kolar Circle, Kolar. 5. Salary Circle, Bangalore. 6. Income-tax officer Trust Circle, Bangalore. 7. Tumkur Circle, Tumkur. 8. Chitradurga Circle, Chitradurgo. 9. Devangere Circle, Davangere. 10. Shimoga Circle, Shimoga. 11. Hassan Circle, Hassan. 12. Chickmagaur. Circle, Chickmagalur. 13. Coorg Circle, Mercara. 14. Mandya Circle, Mandya. 15. Mangalore Circle, Mangalore. 16. Mysore Circle, Mysore. 17. Udupi Circle, Udupi 18. Bagalkot Circle, Bagalkot. 19. Belgaum Circle, Belgaum. 20. Bijapur Circle, Bijapur. 21. Margao Circle, Margao. 22. Panaji Circle, Panaji.	1. Inspg. Asstt. Commissioner of Income-tax Range II Bangalore. 2. Inspg. Asstt. Commisssioner of Income-tax, Range-III, Bangalore 3. Inspg. Asstt. Commissioner of Income-tax, Mysore Range, Mysore. 4. Inspg. Asstt. Commissioner of Income-tax, Belgaum Range. Belgaum.

This Notification shall take effect from 27-7-78.

[No. 2449 (F. No. 261/26/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1978

का० आ० 2655.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अधिसूचना सं० 2382 (फा० सं० 261/8/78—आई टी जे) तारीख 7 जुलाई, 1978 को अधिक्रमित करते हुए और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट प्रभारों के आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) और (3) में विनिर्दिष्ट

आयकर सर्किलों, वार्डों, जिलो और रेंजो मे आयकर, अधिकर या ब्याजकर से निर्धारित ऐसे सभी व्यक्तियों जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज) तक, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 2 की उपधारा (1) मे और ब्याजकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी आदेश द्वारा व्यथित है और ऐसे व्यक्तियो या व्यक्तियों के वर्गों की बाबत भी जेसा कि बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (1) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य मे निदेश दे अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

पुनरीक्षित अनुसूची

चार्ज और मुख्यालय	आयकर सर्किल और वार्ड	सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का रेंज
1	2	3
1. आयुक्त (अपील)-I अहमदाबाद	1 सर्किल X से XV अहमदाबाद	1 ए आर IX, अहमदाबाद
	2 संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल अहमदाबाद	2 ए आर VII, अहमदाबाद
	3 व्यावसायिक सर्किल 1 से 3 अहमदाबाद	3 ए आर I, अहमदाबाद
	4 मेहसना सर्किल	4 ए आर II, अहमदाबाद
	5 पाटन सर्किल	5 ए आर III, अहमदाबाद
	6 पालनपुर सर्किल	6 ए आर X अहमदाबाद
	7 सर्किल I, अहमदाबाद	
	8 सर्किल IV, अहमदाबाद	
	9 सर्किल, III, अहमदाबाद	
	10 गोधरा सर्किल	
	11 हिम्मत नगर सर्किल	
	12 मोडासा सर्किल	
2. आयुक्त (अपील) II, अहमदाबाद	1 सर्किल 4, अहमदाबाद	1 ए आर 2, अहमदाबाद
	2 सर्किल 5, अहमदाबाद	2 ए आर, अहमदाबाद
	3 सर्किल 6, अहमदाबाद	3 ए आर, अहमदाबाद
	4 पोटलाद सर्किल	5 केन्द्रीय रेंज 1, अहमदाबाद
	5 नाडियाद सर्किल	5 केन्द्रीय रेंज 2, अहमदाबाद
	6 आनन्द सर्किल	6 ए आर 8, अहमदाबाद
	7 सुरेन्द्रानगर सर्किल	7 ए आर 11, अहमदाबाद
	8 केन्द्रीय सर्किल 1 से 5, अहमदाबाद	
	9 केन्द्रीय सर्किल 6, अहमदाबाद	
	10 एस आई सी 1 और 2, अहमदाबाद	
	11 एस आई सी जामनगर	
	12 एस आई सी 1 और 2, सूरत	
	13 सर्किल 11 अहमदाबाद	
3. आयुक्त (अपील) बड़ौदा	1 सर्किल 1, बड़ौदा	1 बी आर बड़ौदा
	2 सर्किल 2, बड़ौदा	2 केन्द्रीय रेंज बड़ौदा
	3 सर्किल 3, बड़ौदा	3 एस आर 1 सूरत
	4 सर्किल 1, सूरत	4 एस आर 2 सूरत
	5 सर्किल 2, सूरत	
	6 सर्किल, 3 सूरत	
	7 बुलसर सर्किल	
	8 बारडोली सर्किल	
	9 बड़ौच सर्किल	
	10 नवसारी सर्किल	
	11 संपदा शुल्क सर्किल, बड़ौदा	
	12 केन्द्रीय सर्किल 1 और 2 बड़ौदा	
	13 केन्द्रीय सर्किल 1 और 2, सूरत	
4 आयुक्त (अपील) राजकोट	1 राजकोट सर्किल	1 आर आर राजकोट
	2 जामनगर सर्किल	2 जे आर जामनगर
	3 मोर्बी सर्किल	3 बी आर भावनगर
	4 पोरबन्दर सर्किल	
	5 भावनगर सर्किल	
	6 अमरोली सर्किल	
	7 जूनागढ़ सर्किल	
	8 भुज सर्किल	
	9 संपदाशुल्क सर्किल, राजकोट	
	10 केन्द्रीय सर्किल 1, और II, राजकोट	
	11 केन्द्रीय सर्किल, जामनगर	
	12 केन्द्रीय सर्किल, भावनगर	

यह अधिसूचना 28/7/78 से प्रभावी होगी।

[सं० 2471 (फा० सं० 261/22/78-आई० टी० जे०)]

New Delhi, the 18th August, 1978

S.O. 2655.—In supersession of Notification No. 2382(F. No. 261/8/78-ITJ) dated the 7th July, 1978 and/in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Commissioners of Incomes-tax (Appeals) of the Charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to income-tax or surtax or interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in columns (2) and column (3) thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961, in sub-section (1) of Section II of Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or clausses of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

REVISED SCHEDULE

Charges with Headquarters.	Income-tax Circles and Wards.	Ranges of Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax
1	2	3
1. Commissioner (Appeals)-I Ahmedabad	1. Cos. Circles I to XV, Ahmedabad. 2. ED-cum-IT Circle Ahmedabad. 3. Professional. Cir. I to III, A' bad, 4. Mehsana Circle 5. Patan Circle 6. Palanpur Circle 7. Circle-I, Ahmedabad. 8. Circle-II, Ahmedabad. 9. Circle-III, Ahmedabad. 10. Godhra Circle 11. Himatnagar Circle 12. Modasa Circle.	1. A.R. IX, Ahmedabad. 2. A.R. VII, Ahmedabad. 3. A.R. I, Ahmedabad. 4. A.R. II, Ahmedabad. 5. A.R. III, Ahmedabad. 6. A.R. X, Ahmedabad.
2. Commissioner (Appeals)-II Ahmedabad.	1. Circle-IV, Ahmedabad. 2. Circle-V, Ahmedabad. 3. Circle-VI, Ahmedabad. 4. Petlad Circle. 5. Nadiad Circle. 6. Anand Circle. 7. Surendranagar Circle 8. Central Circle-I to V, Ahmedabad. 9. Central Cir. VI, A' bad. 10. S.I.C. I&II, Ahmedabad. 11. S.I.C. Jamnagar. 12. S.I.C.-I & II, Surat. 13. Circle-XI, Ahmedabad.	1. A.R. IV, Ahmedabad. 2. A.R. V, Ahmedabad. 3. A.R. VI, Ahmedabad. 4. Central Range-I A' bad. 5. Central Range-I, Ahmedabad. 6. A.R. VIII, Ahmedabad. 7. A.R. XI, Ahmedabad.
3. Commissioner (Appeals) Baroda.	1. Circle-I, Baroda. 2. Circle-II, Baroda. 3. Circle-III, Baroda 4. Circle-I, Surat. 5. Circle-II, Surat. 6. Circle-III, Surat. 7. Bulsar Circle. 8. Vapi Circle. 9. Broach Circle. 10. Navsari Circle. 11. Estate Duty Circle Baroda. 12. Central Circles I&II, Baroda. 13. Central Circles I & II, Surat.	1. B.R. Baroda. 2. Central Range, Baroda. 3. S. R. I, Surat. 4. S.R. II, Surat.
4. Commissioner (Appeals) Rajkot.	1. Rajkot Circle. 2. Jamnagar Circle 3. Morvi Circle. 4. Porbandar Circle 5. Bhavnagar Circle 6. Amreli Circle. 7. Junagadh Circle 8. Bhuj Circle 9. Estate Duty Circle Rajkot. 10. Central Circles I& II, Rajkot. 11. Central Circle, Jamnagar. 12. Central Circle, Bhavnagar.	1. R.R. Rajkot. 2. J.R. Jamnagar 3. B.R Bhavnagar.

This notification shall take effect from 28-7-78

[No. 2471(F. No. 261/22/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1978

का० आ० 2056—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को अधिक्रांत करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 2 में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर सर्किल, वार्ड और जिला
1 सहायक आयुक्त (अपील) विशेष रेंज, इन्दौर	1 आयकर अधिकारी केन्द्रीय सर्किल, इन्दौर 2 आयकर अधिकारी, क वार्ड, इन्दौर 3 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, इन्दौर 4 आयकर अधिकारी, ग वार्ड, इन्दौर 5 आयकर अधिकारी, घ वार्ड, इन्दौर 6 आयकर अधिकारी, विशेष संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, इन्दौर 7 आयकर अधिकारी, विशेष अन्वेषण सर्किल, इन्दौर 8 आयकर अधिकारी, ड. वार्ड, इन्दौर 9 आयकर अधिकारी, अतिरिक्त ड. वार्ड, इन्दौर 10 सहायक नियंत्रक, सम्पदा शुल्क, इन्दौर 11 आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण सर्किल, इन्दौर 12 आयकर सर्किल, रतलाम 13 आयकर सर्किल, मन्दसौर 14 आयकर सर्किल, धार 15 आयकर अधिकारी, क वार्ड, सर्किल 1 इन्दौर 16 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, सर्किल 1, इन्दौर

1	2	3
		17 आयकर अधिकारी, ग वार्ड, सर्किल 1, इन्दौर
		18 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, सर्किल 2, इन्दौर
		19 आयकर अधिकारी क वार्ड, सर्किल 1, इन्दौर
		20 अतिरिक्त आयकर अधिकारी क वार्ड, सर्किल 1, इन्दौर
2	सहायक आयुक्त इन्दौर रेंज, इन्दौर	1 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, इन्दौर
		2 आयकर अधिकारी, छ वार्ड, इन्दौर
		3 आयकर अधिकारी, ज वार्ड, इन्दौर
		4 आयकर अधिकारी, झ वार्ड, इन्दौर
		5 आयकर अधिकारी ठ वार्ड, इन्दौर
		6 आयकर अधिकारी ड वार्ड, इन्दौर
		7 आयकर अधिकारी च, वार्ड, इन्दौर
		8 आयकर अधिकारी त वार्ड, इन्दौर
		9 आयकर अधिकारी, थ वार्ड, इन्दौर
		10 आयकर अधिकारी, द वार्ड, इन्दौर
		11 आयकर अधिकारी, ट वार्ड, इन्दौर
		12 आयकर अधिकारी, विशेष सर्वेक्षण सर्किल, इन्दौर
		13 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, इन्दौर (15 जून, 1971 तक यथा विद्यमान)
		14 आयकर अधिकारी, (प्रशासन), इन्दौर
		15 आयकर अधिकारी, च वार्ड, सर्किल, II, इन्दौर
		16 आयकर अधिकारी, छ वार्ड, सर्किल I, इन्दौर
		17 आयकर अधिकारी, ज वार्ड, सर्किल I, इन्दौर
		18 आयकर अधिकारी, झ वार्ड, सर्किल II, इन्दौर
		19 आयकर अधिकारी, ट वार्ड सर्किल I, इन्दौर
		20 आयकर अधिकारी, ठ वार्ड सर्किल II, इन्दौर
		21 आयकर अधिकारी, ड वार्ड, सर्किल II, इन्दौर
		22 आयकर अधिकारी, त वार्ड सर्किल II, इन्दौर
		23 आयकर अधिकारी, थ वार्ड, सर्किल II, इन्दौर
		24 आयकर सर्किल, खारगोन
		25 आयकर सर्किल, महाव
		26 आयकर सर्किल, खंडवा
		27 आयकर सर्किल, उज्जैन
		28 आयकर सर्किल, देवास
3	सहायक आयुक्त (अपील), भोपाल रेंज, भोपाल	1 आयकर सर्किल, भोपाल
		2 आयकर सर्किल, इटारसी
		3 आयकर सर्किल, बैतूल
4	सहायक आयुक्त (अपील), ग्वालियर रेंज, ग्वालियर	1 आयकर सर्किल, ग्वालियर
		2 आयकर सर्किल, गुना
		3 आयकर सर्किल, शिवपुरी
		4 आयकर सर्किल, विदिशा
	आ० क० आ० मध्य प्रदेश II, चार्ज	
5	सहायक आयुक्त (अपील), क रेंज, जबलपुर	1 आयकर अधिकारी केन्द्रीय सर्किल, जबलपुर
		2 आयकर अधिकारी, विशेष संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, जबलपुर
		3 आयकर अधिकारी, क वार्ड, जबलपुर
		4 आयकर अधिकारी, क—I वार्ड, जबलपुर
		5 आयकर अधिकारी, क–2 वार्ड, जबलपुर
		6 आयकर अधिकारी, ग वार्ड, जबलपुर
		7 आयकर अधिकारी, छ वार्ड, जबलपुर
		8 आयकर अधिकारी, ज वार्ड, जबलपुर
		9 आयकर सर्किल, बालाघाट
		10 आयकर सर्किल, सतना
		11 आयकर सर्किल, रीवा
		12 सहायक नियंत्रक, संपदा शुल्क
6	सहायक आयुक्त (अपील) ख रेंज, जबलपुर	1 आयकर अधिकारी, विशेष सर्वेक्षण सर्किल, जबलपुर
		2 आयकर अधिकारी, ख वार्ड, जबलपुर
		3 आयकर अधिकारी, घ वार्ड, जबलपुर
		4 आयकर अधिकारी, झ वार्ड, जबलपुर
		5 आयकर अधिकारी च वार्ड, जबलपुर
		6 आयकर अधिकारी, झ वार्ड, जबलपुर
		7 आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण सर्किल, जबलपुर
		8 अतिरिक्त आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण सर्किल, जबलपुर
		9 आयकर सर्किल, छिन्दवाड़ा
		10 आयकर सर्किल, कटनी
		11 आयकर सर्किल, सागर
		12 आयकर सर्किल, दमोह
		13 सहायक आयुक्त (अपील) विशेष रेंज (भूतपूर्व) जबलपुर के समक्ष आयकर अधिकारी ख वार्ड, जबलपुर के आदेश के खिलाफ ऐसे सभी मामलों में, जिनमें वर्तमान अधिकारिता आ० क० आ० मध्यप्रदेश की अधिसूचना सं० 22/आई टी/स० प्र०/72 तारीख 25-7- द्वारा आयकर अधिकारी ज वार्ड, जबलपुर में निहित है, लम्बित सभी अपीलें ।
7	सहायक आयुक्त (अपील), रायपुर रेंज, रायपुर	1 आयकर सर्किल , रायपुर
		2 आयकर सर्किल, राजनन्द गांव
		3 आयकर सर्किल, बिलासपुर
		4 आयकर सर्किल, दुर्ग
		5 आयकर सर्किल, रायगढ़
		6 आयकर सर्किल, जगदलपुर
		7 आयकर सर्किल, भिलाई
		8 आयकर सर्किल, धमतारी

जहां कोई आयकर सर्किल वार्ड या जिला या उसका भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज को अन्तरित हो जाता है, वहां उस आयकर सर्किल वार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आयकर सर्किल वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लंबित अपीलें उस तारीख से जिस तारीख को यह अधिसूचना प्रभावी होती है, उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक आयकर आयुक्त (अपील) को अन्तरित की जाएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

यह अधिसूचना 10 जुलाई, 1978 से प्रभावी है।

[स०2175 (फा० सं० 261/27/78-आई०टी०जे०)]

New Delhi the 22nd August, 1978

S.O. 2656.—In exercise of the powers conferred by sub- section (1) of section 122 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central

Board of Direct Taxes, hereby directs that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to income-tax in the income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column (2) thereof excluding all persons and incomes assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests in Commissioner of Income-tax (Appeals).

SCHEDULE

Range	Income-tax Circle, Wards and Districts
1. Appellate Asstt. Commissioner, Special Range, Indore.	1. I.T.O. Central Circle, Indore. 2. I.T.O. A-ward, Indore. 3. I.T.O. B-Ward, Indore. 4. I.T.O. C-Ward, Indore. 5. I.T.O. D-Ward, Indore. 6. I.T.O. special Estate Duty-Cum-I.T. Circle, Indore. 7. I.T.O. Special Investigation Circle, Indore. 8. I.T.O. E-Ward, Indore. 9. I.T.O. Addl.E-Ward, Indore. 10. Assistant Centroller of Estate Duty, Indore. 11. I.T.O. Survey Circle, Indore. 12. Income-tax Circle, Ratlam. 13. -do- Mandsaur. 14. -do- Dhar. 15. I.T.O. A-ward, Circle-I, Indore. 16. I.T.O. B-Ward, Circle-I, Indore. 17. I.T.O. C-Ward, Circle-I, Indore. 18. I.T.O. D-Ward, Circle-II Indore. 19. I.T.O. E-Ward, Circle-I, Indore. 20. Addl. I.T.O. E-Ward, Circle-I, Indore.
2. Appellate Asstt. Commissioner, Indore Range, Indore.	1. I.T.O. E-Ward, Indore. 2. I.T.O. G-Ward, Indore. 3. I.T.O. H-Ward, Indore. 4. I.T.O. J-Ward, Indore. 5. I.T.O. L-Ward, Indore. 6. I.T.O. M-Ward, Indore. 7. I.T.O. N-Ward, Indore. 8. I.T.O. P-Ward, Indore. 9. I.T.O. Q-Ward, Indore. 10. I.T.O. R-Ward, Indore. 11. I.T.O. K-Ward, Indore. 12. I.T.O. Special Survey Circle, Indore. 13. I.T.O. B-Ward, Indore (as existing upto 15th June, 1971) 14. I.T.O. (Admn.), Indore. 15. I.T.O. F-Ward, Circle-II Indore. 16. I.T.O. G-Ward, Circle-I, Indore. 17. I.T.O. H-Ward, Circle I, Indore. 18. I.T.O. J-Ward, Circle-II, Indore. 19. I.T.O. K-Ward, Circle-I, Indore. 20. I.T.O. L-Ward, Circle-I, Indore. 21. I.T.O. M-Ward, Circle-II, Indore. 22. I.T.O. P-Ward, Circle-II, Indore 23. I T.O. Q-Ward, Circle-II, Indore. 24. Income-tax Circle, Bhargone 25. -do- Mhow. 26. -do- Khandwa. 27. -do- Ujjain. 28. -do- Dewas.

1	2	3
3.	Appellate Asstt. Commissioner, Bhopal Range, Bhopal	1. Incometax Circle, Bhopal. 2. -do- Itarai. 3. -do- Betul.
4.	Appellate Asstt. Commissioner, Gwalior Range, Gwalior.	1. Incometax Circle, Gwalior. 2. -do- Gune. 3. -do- Shivpuri. 4. -do- Vidisha.

C.I.T. M.P. II CHARGE.

5.	Appellate Asstt. Commissioner, A-Range, Jabalpur.	1. I.T.O. Central Circle, Jabalpur. 2. I.T.O. Special Estate Duty-Cum-Incometax Circle, Jabalpur. 3. I.T.O A-Ward, Jabalpur. 4. I.T.O. A-I Ward, Jabalpur. 5. I.T.O. A-II Ward, Jabalpur. 6. I.T.O. C-Ward, Jabalpur. 7. I.T.O. G-Ward, Jabalpur. 8. I.T.O. H-Ward, Jabalpur. 9. Income-tax Circle, Balaghat. 10. -do- Satna. 11. -do- Rewa. 12. Assistant Controller of Estate-Duty, Jabalpur.
6.	Appellate Asstt. Commissioner, B-Range, Jabalpur	1. I.T.O. Special Surevy Circle, Jabalpur. 2. I.T.O. B-Ward, Jabalpur. 3. I T.O. D-Ward, Jabalpur. 4. I.T.O. E-Ward, Jabalpur. 5. I.T.O. F-Ward, Jabalpur. 6. I.T.O. J-Ward, Jabalpur. 7. I.T.O. Survey Circle, Jabalpur. 8. Addl. ITO, Survey Circle, Jabalpur. 9. Income-tax Circle, Chhindwara. 10. -do- Katni. 11. -do- Sagar. 12. -do- Damoh. 13. All appeals pending with AAC, Special Range (Erstwhile,) Jabalpur against order of ITO, B-Ward Jabalpur in cases in which the present Jurisdiction is vested in ITO B-Ward, Jabalpur vide CIT MP's Notification No. 22/CIT/MP/72 dt. 25-7
7.	Appellate Asstt. Commissioner, Raipur Range, Raipur.	1. Income-tax Circle, Raipur. 2. -do- Rajnandgaon. 3. -do- Bilaspur. 4. -do- Durg. 5. -do- Raigarh. 6. -do- Jagdalpur. 7. -do- Bhilai. 8. -do- Dhamtari.

Whereas the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or Districts or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Asstt. Commissioner of the Range from

whom that I.T. Circle, Ward or Distt. or part thereof is transferred shall from the date of this Notification take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification is effective from 10th July, 1978.

[No. 2475 (F. N. 261/27/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1978

का० आ० 2657.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना सं० 2382, तारीख 7-7-78 का आंशिक उपान्तरण करते हुए, निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (2) और स्तंभ (3) में की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों, जिलों और रेंजों में आयकर, अतिकर या ब्याजकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों को जिनके बारे में स्तंभ (1) में उल्लिखित आयुक्त (अपील) VIII, नई दिल्ली और आयुक्त (अपील) IX, नई दिल्ली, अपने कृत्यों का पालन करेंगे, नीचे यथा संशोधित रूप में पढ़ा जाएगा ।

क्रम सं०	रेंज	आयकर सर्किल	वार्ड और जिला
1	2	3	4
1.	आयुक्त (अपील) VIII	आयकर केन्द्रीय रेंज I और IV, नई दिल्ली और केन्द्रीय रेंज मेरठ के सहायक आयुक्त (निरीक्षण) की अधिकारिता में सभी वार्ड/सर्किल	आयकर आयुक्त केन्द्रीय नई दिल्ली की अधिकारिता में केन्द्रीय रेंज 1 और 4 नई दिल्ली और केन्द्रीय रेंज, मेरठ।
2.	आयुक्त (अपील) IX नई दिल्ली	आयकर सहायक आयुक्त (निरीक्षण) केन्द्रीय रेंज II, III और V नई दिल्ली की अधिकारिता में के सभी वार्ड/सर्किल	आयकर आयुक्त केन्द्रीय II, नई दिल्ली की अधिकारिता में के केन्द्रीय रेंज II, III और V

यह अधिसूचना 18-8-78 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2490 (फा०सं० 261/8/78-आई टी जे)]

New Delhi, the 30th August, 1978.

S.O. 2657.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121A of the I.T. Act, 1961(43 of 1961) and in partial modification of notification No. 2382, dated 7-7-78 the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the persons and incomes assessed to Income tax or Surtax or Interest tax in the Income tax Circle, Wards, Districts and Ranges specified in corresponding entriesl Col. (2) and Col, (3) of the Schedule appended thereto in respect of which the Commissioner (Appeals), VIII, New Delhi and Commissioner (Appeals) IX, New Delhi mentioned in column (1) shall perform their functions shall be amended to read as under :—

S.No.	Range	Income-tax Circle	Ward and Districts
1	2	3	4
1.	Commissioner (Appeals) VIII	All Wards/Circles within the jurisdiction of Inspecting Asstt. Commissioners of I.T. Central Ranges, I and IV, New Delhi and Central Range, Meerut.	Central Ranges I and IV, New Delhi and Central Range Meerut within the Jurisdiction of Commissioner of Income tax Central 1, New Delhi.
2.	Commissioner (Appeals) IX, New Delhi	All Ward/Circle within the Jurisdiction of Inspecting Asstt. Commissioner of I.T. Central Ranges II, III and V, New Delhi.	Central Ranges II, III and V within the Jurisdiction of Commissioner of Income tax Central II, New Delhi.

This notification shall take effect from 18-8-78.

[No. 2490 (F.No. 261/8/78-ITJ)]

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1978

का० आ० 2658.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और प्रवर्तन अधिसूचना सं० 2449 (फा० सं० 261/26/78-आई टी जे), तारीख 2 अगस्त, 1978 को अधिक्रांत करते हुए, निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट चार्जों के आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तंभ (2) और (3) में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों, जिलों और रेंजों में आयकर, अधिकर या ब्याजकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों की बाबत जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (ज) तक में, कम्पनी (लाभ) अतिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उपधारा (1) में और ब्याजकर, अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी आदेश से व्यथित हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों की बाबत भी जैसा कि बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (i) के उपबंधों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दे, अपने कृत्यों का पालन करेंगे ।

अनुसूची

चार्ज और मुख्यालय	आयकर वार्ड और सर्किल	सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण) का रेंज
1 2	3	4
1 आयुक्त (अपील) I, बंगलौर	1. सर्किल I बंगलौर	1. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), रेंज I, बंगलौर
	2. आयकर अधिकारी, विदेशी अनुभाग, बंगलौर	2. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), रेंज V, बंगलौर
	3. कम्पनी सर्किल, II, IV, V, और VI, बंगलौर	3. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), धारवाड़ रेंज, धारवाड़ (मुख्यालय अस्थायी रूप से हुबली में स्थित है)
	4 संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, बंगलौर	4. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), केन्द्रीय रेंज, बंगलौर
	5. संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, बंगलौर	5. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), रेंज IV बंगलौर
	6. संपदा शुल्क एवं आयकर सर्किल, हुबली	
	7. केन्द्रीय सर्किल I से V, बंगलौर	
	8. आयकर अधिकारी, बंगलौर सर्किल (पुराना) द्वारा किए गए आदेशों के बारे में	
	9. आयकर अधिकारी, कन्ना, पटना द्वारा किए गए आदेशों के बारे में	

1	2	3
	10. विशेष सर्वेक्षण सर्किल (पुराना), बंगलौर	
	11. बेलारी सर्किल, बेलारी	
	12. धारवाड़ सर्किल, धारवाड़	
	13. गदाक सर्किल, गदाक	
	14. गुलबर्गा सर्किल, गुलबर्गा	
	15. होसपेट सर्किल, होसपेट	
	16. हुबली सर्किल, कारवार	
	17. कारवार सर्किल, कारवार	
	18. रायचूर सर्किल, रायचूर	
2. आयुक्त अपील II, बंगलौर	1. सर्किल II, बंगलौर	1. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), रेंज II, बंगलौर
	2. सर्किल III, बंगलौर	2. सहायक आयुक्त (निरीक्षण) रेंज VI सहायक बंगलौर
	3. कम्पनी सर्किल I और III बंगलौर	3. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), हुबली रेंज, हुबली
	4. कोलार सर्किल, कोलार	4. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), मंगलौर रेंज, मंगलौर (मुख्यालय अस्थायी रूप से बंगलौर में स्थित है)
	5. सलारी सर्किल, बंगलौर	5. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), बेलगांव रेंज, बेलगांव
	6. आयकर अधिकारी, खास सर्किल, बंगलौर	6. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), गोवा रेंज पणजी (मुख्यालय अस्थायी, रूप से बेलगाम में स्थित है)
	7. तुमकूर सर्किल, तुमकूर	7. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), मैसूर
	8. चित्रदुर्ग सर्किल, चित्रदुर्ग	8. सहायक आयुक्त (निरीक्षण), रेंज III. बंगलौर
	9. बेयमगर सर्किल, बेयमगर	
	10. शिमोगा सर्किल, शिमोगा	
	11. हस्सन सर्किल, हस्सन	
	12. चिकमंगलूर सर्किल, चिकमंगलूर	
	13. कुर्ग सर्किल, मरकारा	
	14. मंडया सर्किल, मंडया	
	15. मंगलौर सर्किल, मंगलौर	
	16. मैसूर सर्किल, मैसूर	
	17. उडुपी सर्किल, उडुपी	
	18. बागलकोट सर्किल, बागलकोट	
	19. बेलगाम सर्किल, बेलगाम	
	20. बीजापुर सर्किल, बीजापुर	
	21. मारगाव सर्किल, मारगाव	
	22. पाणजी सर्किल, पाणजी	

यह अधिसूचना 6-11-78 से प्रभावी होगी ।

[सं० 2580 (फा० सं० 261/61/26-आई टी जे)]

एम० के भटनागर, अवर सचिव

New Delhi, the 15th November, 1978

S.O. 2658.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 121A of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of Notification No. 2449 (F.No. 261/26/78-ITJ), dated 2-8-1978, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the Charges specified in column (1) of the Schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or Interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in columns (2) and (3) thereof, as are aggrieved by the orders mentioned in clauses (a) to (h) of Sub-section (2) of Section 246 of the I.T. Act, 1961, in sub-section (1) of Section 11 of the Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964) and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest Tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (i) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961:—

SCHEDULE

Charges with H. Quarters	Income-tax Wards & Circles	Ranges of IACs of Income-tax
1	2	3
1. Commissioner (Appeals) I, Bangalore	1. Circle-I, Bangalore.	1. IAC, Range-I, Bangalore.
	2. ITO, Foreign Section Bangalore.	2. IAC, Range-V, (Asstt.) Bangalore.
	3. Company Circles II, IV, V & VI, Bangalore	3. IAC, Dharwar Range, Dharwar (H. Qrs. temporarily located at Hubli).
	4. Estate Duty-cum-Income-tax, Circle, Bangalore	4. IAC, Central Range, Bangalore.
	5. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Bangalore	5. IAC, Range-IV, Bangalore.
	6. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Hubli.	
	7. Central Circles I to V, Bangalore	

1	2	3
	8. In respect of orders passed by ITO's Bangalore Circle (old)	
	9. In respect of orders passed by ITO, Channapatna.	
	10. Special Survey Circle (Old) Bangalore.	
	11. Bellary Circle, Bellary.	
	12. Dharwar Circle, Dharwar.	
	13. Gadag Circle, Gadag.	
	14. Gulbarga Circle, Gulbarga.	
	15. Hospet Circle, Hospet.	
	16. Hubli Circle, Karwar.	
	17. Karwar Circle, Karwar.	
	18. Raichur Circle, Raichur.	
2. Commissioner (Appeals)—II, Bangalore.	1. Circle-II, Bangalore.	1. IAC, Range-II, B'lore.
	2. Circle-III, Bangalore.	2. IAC, Range-VI (Asstt.) Bangalore.
	3. Company Circles I & III, Bangalore.	3. IAC, Hubli Range, Hubli.
	4. Kolar Circle, Kolar.	4. IAC, Mangalore Range, Mangalore (H. Qrs. temporarily located at Bangalore).
	5. Salary Circle, Bangalore.	5. IAC, Belgaum Range, Balgaum
	6. ITO, Trust Circle, B'lore.	6. IAC, Goa Range, Panaji (H. Qrs. temporarily located at Belgaum)
	7. Tumkur Circle, Tumkur.	7. IAC, Mysore.
	8. Chitradurga Circle, Chitradurga.	8. IAC, Range-III, B'lore.
	9. Davangere Circle, Devangere.	
	10. Shimoga Circle, Shimoga.	
	11. Hassan Circle, Hassan.	
	12. Chickmagalur Circle, Chickmagalur.	
	13. Coorg Circle, Mercara.	
	14. Mandya Circle, Mandya.	
	15. Manglore Circle, Mangalore.	
	16. Mysore Circle, Mysore.	
	17. Udupi Circle, Udupi.	
	18. Bagalkot Circle, Bagalkot.	
	19. Belgaum Circle, Belgaum.	
	20. Bijapur Circle, Bijapur.	
	21. Margao Circle, Margao.	
	22. Panaji Circle, Panaji.	

This Notification shall take effect from 6-11-78.

[No. 2580 (F.No.261/26/78-ITJ)]

S. K. BHATNAGAR, Under Secy.

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1979

का॰ आ॰ 2659.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार की राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है कि सफाई तथा जल फिटिंग, को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन किया जाए;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे विनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं और उक्त प्रस्तावों को निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिया है;

अत: अब केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में तथा भारत के वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं॰ का॰ आ॰ 1509 तारीख 27 मई 1978 को अधिक्रान्त करते हुए उक्त प्रस्तावों को जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है।

2. सूचना दी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहे तो वह उन्हें राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने की तारीख से पैंतालीस दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 'वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर' 14/1 बी ऐजरा स्ट्रीट कलकत्ता—700001 को भेज सकेगा।

प्रस्ताव

(1) अधिसूचित करना कि सफाई तथा जल फिटिंग निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे।

(2) इस आदेश के उपाबंध 1 में दिए गए सफाई जल फिटिंगों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1979, के प्रारूप के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को ऐसे क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करना जो निर्यात से पूर्व ऐसे सफाई तथा जल फिटिंगों पर लागू होगा।

(3) (क) इस आदेश के उपाबंध 2 में दिए गए न्यूनतम विनिर्देशों के अधीन रहते हुए, निर्यातकर्ता द्वारा निर्यात संपदा के स्वीकृत विनिर्देशों के रूप में घोषित संविदात्मक विनिर्देशों को, या

(ख) किसी भी देश के सरकारी विभाग या जन उपयोगी समुत्थान द्वारा अनुमोदित मानकों को, या

(ग) सुसंगत भारतीय मानक विनिर्देशों को, या किन्हीं अन्य राष्ट्रीय मानक विनिर्देशों को, ऐसे सफाई तथा जल फिटिंगों के लिए मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देना,

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे सफाई तथा जल फिटिंगों के निर्यात को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित अभिकरणों में से किसी एक के द्वारा जारी किया गया इस प्रभाव का प्रमाण पत्र न हो कि सफाई तथा जल फिटिंगों के परेषण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित शर्तों को पूरा करते हैं तथा निर्यात योग्य हैं।

3. इस आदेश की कोई भी बात भावी क्रेताओं को भूमि समुद्री, या वायु मार्ग द्वारा सफाई तथा जल फिटिंगों के प्रमाणिक नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी।

4. इस आदेश में "सफाई तथा जल फिटिंग" से जल वितरण तथा सफाई के प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त स्नानागार की सभी प्रकार की फिटिंग अभिप्रेत है किन्तु इसके अन्तर्गत ढलवां लोहे की फिटिंग की वस्तुएं जैसे अवनलिका ग्रेटिंग, बेसिन या जल क्लोजेट के लिए दीवार ब्रैकेट, जल क्लोजेट सौलिए के लिए राड तथा औद्योगिक प्रयोजनों के लिए फिटिंग नहीं होगी।

उपाबन्ध I

(पैरा 2 का उप-पैरा (2) देखिए)

निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने के लिए प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सफाई तथा जल फिटिंगों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1979 है।

(2) ये——————————को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :- इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :-

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963, (1963 का 22) अभिप्रेत है।

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन बम्बई कलकत्ता कोचीन, दिल्ली और मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है।

(ग) "सफाई तथा जल फिटिंगों" से जल वितरण तथा सफाई के प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त स्नानागार की सभी प्रकार की फिटिंग अभिप्रेत है किन्तु जिसके अन्तर्गत ढलवां लोहे की वस्तुएं जैसे नाली का ग्रेटिंग, बेसिन या जल क्लोजेट के लिए दीवार ब्रैकेट, जल क्लोजेट, सौलिए के लिए राड तथा औद्योगिक प्रयोजनों के लिए फिटिंग नहीं होगी।

3 क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण - (1) क्वालिटी नियंत्रण निर्यात के लिए आशयित सफाई तथा जल फिटिंगों का क्वालिटी नियंत्रण यह देखने के विचार से कि क्या वह अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों पर उससे उपाबद्ध अनुसूची में दिए गए नियंत्रण के स्तरों के साथ निम्नलिखित नियंत्रणों का प्रयोग करते हुए किया जाएगा अर्थात :-

(1) खरीदी गई सामग्री तथा घटक नियंत्रण :—

(क) प्रयोग किए जाने वाले घटकों की सामग्री के गुण धर्मों को समाविष्ट करते हुए विनिर्माता क्रय विनिर्देश अधि-कथित करेगा तथा आने वाले लाटों की अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए उसके पास निरीक्षण या परीक्षण के पर्याप्त साधन होंगे।

(ख) स्वीकृत परेषणों के साथ क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं की पुष्टि करते हुए या प्रदायकर्ता का परीक्षा या निरीक्षण प्रमाण-पत्र होगा, जिस दशा में उक्त परीक्षण या निरीक्षण पत्रों की शुद्धता को सत्यापित करने के लिए विनिर्माता द्वारा विशिष्ट प्रदायकर्ता के लिए कालिक जांच (अर्थात उसी माल के उसी प्रदायकर्ता के लिए वर्ष के प्रति तीन मास में एक बार की जाएगी, या खरीदी हुई सामग्री या घटकों का कारखाने की प्रयोगशाला के भीतर या किसी अन्य प्रयोगशाला या परीक्षण गृह में नियमित रूप से निरीक्षण या परीक्षण किया जाएगा।

(ग) किए जाने वाले परीक्षण या निरीक्षण के लिए नमूना लेना लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा।

(घ) निरीक्षण या परीक्षण किए जाने के पश्चात स्वीकृत तथा अस्वीकृत माल या घटकों का पृथक करने के लिए तथा अस्वीकृत माल या घटकों के व्ययन के लिए व्यवस्थित पद्धतियां अपनाई जाएंगी।

(ङ) ऊपर नियंत्रण के सम्बन्ध में यथोचित अभिलेख विनिर्माता द्वारा नियमित तथा व्यवस्थित ढंग से रखे जाएंगे।

(2) प्रक्रिया नियंत्रण :-

(क) विनिर्माता विनिर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए ब्यौरेवार प्रक्रिया विनिर्देश अधिकथित करेगा।

(ख) प्रक्रिया विनिर्देश में अधिकथित प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने के लिए उपस्कर, उपकरण एवं साधनों की पर्याप्त सुविधाएं होंगी।

(ग) विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान प्रभावित नियंत्रणों के सत्यापन की सम्भावनाओं को सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माता पर्याप्त अभिलेखों को रखेगा।

(3) उत्पाद नियंत्रण :—

(क) जांच करने के लिए कि उत्पादन अभिधनियम की धारा 6 के अधीन मान्यता प्राप्त विनिर्देशों के अनुरूप है या नहीं, विनिर्माता के पास या तो स्वयं अपनी परीक्षण सुविधाएं होंगी या उसकी पहुंच वहां तक होगी जहां ऐसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

(ख) परीक्षण के लिए नमूना लेना (जहां कहीं अपेक्षित हो) लेखबद्ध अन्वेषण पर आधारित होगा।

(ग) किए गए परीक्षणों के सम्बन्ध में विनिर्माता द्वारा पर्याप्त अभिलेख नियमित तथा व्यवस्थित रूप से रखे जाएंगे।

(4) परिरक्षण नियंत्रण :—

(क) विनिर्माता उत्पाद को मौसमी दशाओं के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित करने के लिए ब्यौरेवार विनिर्देश अधिकथित करेगा।

(ख) भंडारीकरण तथा अभिवहन के दौरान उत्पाद अच्छी तरह से परिरक्षित किया जाएगा।

(5) मौसम सम्बन्धी नियंत्रण :—

उत्पादन तथा निरीक्षण में प्रयुक्त प्रभावियों और उपकरणों की कालिक जांच या अंशशोधन किया जाएगा और विनिर्माता द्वारा वृत्तकार्ड के रूप में अभिलेख रखे जाएंगे।

(6) पैकिंग नियंत्रण :—

विनिर्माता निर्यात किए जाने वाले पैकेजों के लिए ब्यौरेवार पैकिंग विनिर्देश बनाएगा तथा उनका पूर्णतया पालन करेगा।

(2) निरीक्षण :—निर्यात के लिए आशयित सफाई तथा जल फिटिंगों का निरीक्षण, परेषण में से, उनकी जांच तथा परीक्षण करने के लिए नमूना लेकर, यह देखने के लिए विचार से किया जाएगा कि परेषण अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक निर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण का आधार :—निर्यात के आशयित सफाई तथा जल फिटिंगों का निरीक्षण यह देखने के विचार से किया जाएगा कि वे अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त मानक निर्देशों के अनुरूप हैं।

(क) या तो यह सुनिश्चित करके किया जाएगा कि विनिर्माता की प्रक्रिया के दौरान नियम 3 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट के अनुसार क्वालिटी नियंत्रणों को लागू किया गया है, या

(ख) नियम 3 के उप-नियम (2) के अनुसार किए गए निरीक्षण के आधार पर किया जाएगा, या

(ग) दोनों द्वारा किया जाएगा।

5. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) (क) सफाई तथा जल फिटिंगों के परेषण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता अपने ऐसा करने के आशय की लिखित सूचना किसी भी एक अभिकरण को देगा तथा ऐसी सूचना के साथ एक घोषणा या तो यह देगा कि सफाई तथा जल फिटिंगों के परेषण का विनिर्माण नियम 3 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट नियंत्रणों के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण उपायों का प्रयोग करते हुए किया गया है या किया जा रहा है और परेषण उस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त मानक विनिर्देशों के अनुरूप है या सभी तकनीकी विशेषताओं के ब्यौरे देते हुए यह घोषणा करेगा कि वे निर्यात संविदा में अनुबद्ध विनिर्देशों के अनुरूप हैं, जिससे कि अभिकरण नियम 3 के उपनियम (2) के अनुसार निरीक्षण कर सके।

(ख) निर्यात कर्ता उसी समय ऐसी सूचना तथा घोषणा की एक प्रति परिषद के निकटतम कार्यालय को भेज देगा। परिषद् के कार्यालयों के पते निम्नलिखित हैं :—

मुख्य कार्यालय	निर्यात निरीक्षण परिषद वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर (8 वीं मंजिल) 14/1 बी एजरा स्ट्रीट कलकत्ता-70001
क्षेत्रीय कार्यालय	(1) निर्यात निरीक्षण परिषद अमन चैम्बर्स (5वीं मंजिल) 113 महर्षि कार्वे रोड बम्बई-400004
	(2) निर्यात निरीक्षण परिषद मनोहर बिल्डिंग महात्मा गान्धी रोड, एर्नाकुलम : कोचीन-682011
	(3) निर्यात निरीक्षण परिषद् म्युनिसिपल मार्केट बिल्डिंग-सरस्वती मार्ग, करौल बाग नयी दिल्ली-110005

(2) निर्यातकर्ता अभिकरण को परेषण पर लगाए गए पहचान चिन्ह भी देगा।

(3) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना तथा घोषणा निर्यात कर्ता के परिसर से या विनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने कम से कम सात दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुंचेगी।

(4) (क) उपनियम (1) के अधीन सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण नियम 4 के अधीन बनाए गए रूप में किए गए निरीक्षण इस सम्बन्ध में परिषद द्वारा जारी किए गए अनुदेश, यदि कोई हो के आधार पर अपना समाधान कर लेने पर कि परेषण का विनिर्माण इसे लागू मानक विनिर्देशों के अनुसार किया गया है, सात दिन के भीतर यह घोषणा करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि सफाई तथा जल फिटिंगों का परेषण निर्यात योग्य है।

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार समाधान नहीं होता वहां उक्त सात दिन के अवधि के भीतर ऐसा प्रमाण-पत्र देने से इन्कार कर देगा तथा ऐसे इन्कार की सूचना उसके कारणों सहित निर्यातकर्ता को देगा।

(ख) उन मामलों को छोड़कर जहां निर्यातकर्ता स्वयं सफाई तथा जल फिटिंगों के परेषण का विनिर्माता है तथा नियम 4 के उपखंड (क) या उप-खंड (ग) के प्रयोजनों के अनुसार निरीक्षण किया गया है, अन्य सभी मामलों में निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात् अभिकरण के परेषण पैकेजों को करने के लिए इस ढंग से सील बन्द करेगा कि सीलबन्द माल के साथ छेड़छाड़ न की जा सके। परेषण को अस्वीकृति की दशा में यदि निर्यातकर्ता चाहे, अभिकर को सील बन्द नहीं करेगा। तथापि ऐसे मामला में निर्यातकर्ता अस्वीकृति के विरुद्ध अपील करने का हकदार नहीं होगा।

6. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के प्रयोजनों के लिए सफाई तथा जल फिटिंगों का निरीक्षण

(क) विनिर्माता के परिसर पर, या

(ख) उस परिसर पर जहां निर्यातकर्ता सफाई तथा जल फिटिंगों का परेषण निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा, किया जाएगा परन्तु यह तब जब कि वहां जांच तथा निरीक्षण के प्रयोजन के लिए पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान हों।

7. निरीक्षण फीस :— निर्यातकर्ता अभिकरण को प्रत्येक परेषण के लिए कम से कम पचास रुपये के अधीन रहते हुए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के प्रत्येक एक सौ रुपये के लिए पचास पैसे की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में देगा।

8. अपील :—(1) नियम 5 के उप-नियम (4) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र देने से इन्कार कर दिए जाने से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे इन्कार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त अपीलीय पैनल को जिसमें कम से कम तीन तथा अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे अपील कर सकेगा।

(2) पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम दो तिहाई गैर सरकारी सदस्य होंगे।

(3) पैनल की गणपूर्ति तीन सदस्यों से होगी।

(4) अपील प्राप्त होने के 15 दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

अनुसूची

(नियम 3 (1) देखिए)

परख/निरीक्षण की विशेषताएं	अपेक्षाएं	परख/ निरीक्षण किए जाने वाले नमूनों की संख्या	लाट आकार/ आवृत्ति	टिप्पणियां
1. क्रय किए गए घटक				
(i) विमाएं	मानक विनिर्देशों के अनुसार	ए० क्यू० एल० मानक के आधार पर	प्रत्येक परेषण	
(ii) चाक्षुष	–वही–	–वही–	–वही–	
2. प्रक्रिया नियंत्रण				
(i) ढलाई				
सामग्री सम्मिश्रण	–वही–	–वही–	प्रत्येक चार्ज	
(i) मशीनी				
(क) चाक्षुष	–वही–	–वही–	प्रत्येक दिन का उत्पादन	
(ख) विमाएं	–वही–	–वही–	–वही–	
(iii) चादर				
(क) स्नानागार का ताप तथा समय	–वही–	–वही–	विनिर्माण बैच की एक ही दशा के अन्तर्गत प्रत्येक आधा घंटा	
(ख) स्नानागार आकर्षण	–वही–	–वही–	–वही–	
(ग) आसंजन	–वही–	–वही–	विनिर्माण बैच की एक ही	
(घ) चदर की मोटाई	–वही–	–वही–	दशा के अन्तर्गत प्रत्येक दो घंटे	
(iv) समंजन	–वही–	–वही–	प्रत्येक दिन का उत्पादन	
3. उत्पाद परीक्षण				
(i) कार्य कौशल तथा फिनिश	–वही–	–वही–	प्रत्येक प्रकार तथा आकार के उत्पादन का प्रत्येक बैच	
(ii) न्यूनतम 300 पी० एस० आई० 20 के० जी० एफ०/सी०/एम० पर हाईड्रोलिक दबाव परीक्षण	–वही–	–वही–	–वही–	
(iii) फिटिंगों का भार	–वही–	–वही–	–वही–	
4. पैकिंग				
(i) रूप	–वही–	–वही–	–वही–	
(ii) निपात परीक्षण	–वही–	1	प्रत्येक परेषण	
(iii) रोलिंग परीक्षण	–वही–	1		
(iv) जल फुहार परीक्षण	–वही–	1	प्रत्येक डिजाईन	

पैकेज की फिनिश अच्छी की जाएगी तथा देखने में सुन्दर पैकेज होगा ।

पैकेज यह सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार का होगा कि उसमें रखा माल नीचे दी गई निपात परीक्षण रोलिंग परीक्षण तथा जल फुहार परीक्षण ठीक रहे।

निपात परीक्षण :—(केवल 37 कि० ग्रा० तक के भार तक निबंधित करने के लिए) 150 सें० मी० की ऊंचाई से गिराया जाने वाला पैकेज एक बार बड़ी समतल सतह पर एक बार सबसे लम्बे किनारे पर और एक बार उसके किसी भी किनारे पर गिराया जाएगा ।

रोलिंग परीक्षण :—(केवल 500 कि० ग्रा० तक के भार तक निबंधित करने के लिए) रोलिंग करने वाले पैकेजों इनके किसी भी ओर 6 मीटर आगे की तरफ तथा 6 मीटर पीछे की तरफ या 12 मीटर एक ही दिशा में रोल किए जाएंगे ।

जल फुहार परीक्षण :—पैकेज को पांच मिनट के लिए सामान्य आकस्मिक मानसून बौछार के समतुल्य जल फुहार में रखा जाएगा ।

उपाबन्ध - II

[पैरा 2 का उप-पैरा (3) देखिए]

सफाई तथा जल फिटिंगों के लिए न्यूनतम विनिर्देश

1 कार्यकौशल तथा फिनिश

1 1 फिटिंग चिकनी धब्बो, गहरी खरोंचो ढलाई सम्बन्धी दोषों सहित अन्य विनिर्माण दोषो से मुक्त होगी।

1 2 बॉडिंग पर छोटे दाब होगें बशर्ते कि जब उन्हें सम्बन्धित भागों के साथ जोड़ा जाए तो उनसे क्षरण न हो।

1 3 जब लेपन किया जाएगा तो सतह एक सार होगी तथा परतर के दोषो जैसे गड्ढो फफोलो, पसार न चढ़े धब्बो तथा दरारो से मुक्त होगी।

1 4 छोटी खरोंचे अधिक से अधिक दो धब्बे अनुज्ञेय होगें।

1 5 सतहो पर जैसे धारदार कोण, झुकाव, आकार आदि के लिए मोड़, जो कि पालिश करने के प्रयोजन के लिए अगम्य हो दृश्य दोष अनुज्ञेय स्वीकृत होगे।

1 6 परतर चढ़ाते समय लटकाने के लिए प्रयुक्त तारो द्वारा बनाए गए चिन्ह अनुज्ञेय होगे।

2 भार पर सह्यता

फिटिंगो के लिए भार की सह्यता निर्यातकर्ता की घोषणा के अनुसार ±5 प्रतिशत होगी।

3 दाब परीक्षण

3 1 प्रत्येक फिटिंग, अपने संघटको सहित फिटिंग की सीट पर डाले गए आन्तरिक रूप से पड़े हाइड्रोलिक दबाव को नीचे निर्दिष्ट दो मिनट की अवधि तक सहन करने योग्य होगी। जिसके दौरान न तो वह लीक करेगी और न ही टपकेगी।

हल्की क्वालिटी से भिन्न 20 कि० ग्रा० एफ/सें०मी०² एफ/सेमी० (300 पी एस आई जी)

हल्की क्वालिटी 6 71 कि० ग्रा० एफ/सें मी०² (100 पी एस आई जी)

स्पष्टीकरण —'हल्की क्वालिटी की फिटिंग" उन फिटिंग में से होगी जिन में प्रत्येक फिटिंग का अधिकतम भार नीचे उप वर्णित के अनुसार होगा।

फिटिंग के प्रकार	प्रत्येक फिटिंग का भार
(क) सभी प्रकार के नल	350 ग्रा०
(ख) प्रच्छन्न वीक्षण के सभी प्रकार	450 ग्रा०
(ग) मिश्रकों के सभी प्रकार (सभी उप साधनो सहित समाविष्ट)	1000 ग्रा

3 2 पी० वी० सी० पाईप जहां कहीं भी फिटिंगो के साथ प्रयुक्त किए गए है, बिना लीक किए केवल जल बहाव परख को सहन करने योग्य होगें।

4 लेपित फिटिंगों के लिए शमन परीक्षण

4 1 प्रत्येक विद्युत लेपित फिटिंग नीचे दिए गए के अनुसार शमन परीक्षण का सहन कर सकेगा।

फिटिंगो को नीचे उपवर्णित तापमान पर एक घंटे की अवधि के लिए भट्टी में तपाया जाएगा।

आधार धातु	तापमान
जस्ता मिश्रित	150°सी
तांबा तथा इसकी मिश्र धातु तथा एल्यूमिनियम तथा इसकी मिश्र धातु	250° सी
इस्पात	300° सी

टिप्पण —तापमान पर सह्यता ±10 सें० होगी। उस अवधि की समाप्ति पर फिटिंग कक्ष तापमान पर पानी में बुझाई जाएगी। फिटिंग पर इस परीक्षा के किए जाने के पश्चात कोटिंग आधार धातु के साथ संलग्न रहेगी। इस परीक्षा के लिए वस्तु की कोटिंग आवश्यक नहीं है।

4 2 फिटिंगों पर उपरोक्त परीक्षण के अधीन फिटिंगों से संलग्न प्लास्टिक रबर या ए बी एस क्रोम के लेप चढ़े भागो को, यदि कोई हो, हटा कर किया जाएगा।

5 नमूना लेना तथा अनुरूपता के मान दंड

5 1 चाक्षुष निरीक्षण तथा हाइड्रालिक परीक्षण के लिए नमूने का आकार न्यूनतम तीन टुकड़ों के अधीन रहते हुए, प्रत्येक प्रकार तथा आकार की फिटिंगों को अन्तर्विष्ट करने वाले लॉट आकार का 0 5 प्रतिशत होगा। कोई भी दोष अनुज्ञेय नहीं होगा।

5 2 बुझाने के परीक्षण के लिए प्रत्येक 1000 फिटिंगो मे से एक ही प्रकार तथा आकार की एक फिटिंग या उसके भाग का परीक्षण किया जाएगा। इसकी असफलता की दशा मे तीन और टुकड़ो की परीक्षा की जाएगी और यदि तीनो अतिरिक्त टुकड़ा में से सर्वोत्तम टुकड़ा परीक्षण में पास हो जाता है तो लॉट स्वीकार कर लिया जाएगा।

यदि एक ही प्रकार तथा आकार की फिटिंगो के लिए लॉट आकार 1000 संख्या से अधिक होता है तो प्रत्येक लॉट के लिए नमूना आकार तीन टुकड़े होगा। परेषण तभी स्वीकार किया जाएगा यदि तीन टुकड़ो मे से सर्वोत्तम टुकड़ा परीक्षण में पास हो जाता है।

6 पैकिंग

6 1 जब तक विदेशी क्रेता द्वारा अन्यथा विनिर्दिष्ट न किया जाए, प्रत्येक फिटिंग को टिशू पेपर मे लपेटा जाएगा और फिर कार्ड बोर्ड के डिब्बो में पैक किया जाएगा।

6 2 37 कि० ग्रा० तक के भार वाले पैकेज उसमे रखे माल या स्वयं पैकेज को हानि पहुंचाए बिना, 190 सें० मी० की ऊंचाई से गिराये जाने पर ठीक ठाक रहने चाहिए।

6 3 पैकेजो को मौसम तथा आर्द्रता संदूषणो के प्रतिकूल प्रभावो से पर्याप्त रूप से सुरक्षित किया जाएगा।

[सं० 6(5)/79-नि० नि० तथा नि०उ०]

के० वी० बालसुब्रह्मणियम, उप सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1979

S. O. 2659.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that the sanitary and water fittigs shnould be subjected to inspection prior to export ;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the said proposals to the Export Inspection Council

as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 ;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, and in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1508 and 1509 dated the 27th May, 1978, the Central Government hereby publishes the said proposals for information of the public.

Notice is hereby given that any person desiring to offer any objection or suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty five days of the date of publication of this notification to the Export Inspection Council "World Trade Centre, 14/1B, Ezra Street, Calcutta-70001.

PROPOSALS

2. (1) To notify that sanitary and water fittings shall be subjected to quality control and inspection prior to export ;

(2) To specify the type of inspection in accordance with the draft Export of Sanitary and Water Fittings (Quality Control and Inspection) Rules, 1979 set out in annexure—I to this Order as the type of quality control and inspection which would be applied to such sanitary and water fittings prior to export ;

(3) To recognise—

(a) the contractual specifications as declared by the exporter to be the agreed specification of the export contract, subject to the minimum specification set out in Annexure II to this Order ; or

(b) the standards approved by the Government department or Public utility concern of any foreign country ; or

(c) the relevant Indian standard specifications, or any other National standard specifications ;

as the standard specifications for such sanitary and water fittings ;

(4) To prohibit the export in the course of international trade of any such sanitary and water fittings, unless the same are accompanied by a certificate by any one of the agencies established by the Central Government under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), to the effect that the consignments of sanitary and water fittings satisfy the conditions relating to quality control and inspection and are exportworthy

3. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of bona fide samples of sanitary and water fittings to prospective buyers.

4. In this Order "Sanitary and water fittings" shall mean all types of bathroom fittings used for water supply and sanitation purposes, but shall not include cast iron fittings items, like, gully gratings, wall brackets, for basins or water closets, water closets, towel rods and fittings for industrial purposes.

ANNEXURE I

[See sub-paragraph (2) of paragraph 2]

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Sanitary and Water Fittings (Quality Control and Inspection) Rules, 1979.

(2) They shall come into force ... .

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires—

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) ;

(b) "agency" means any one of the agencies established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act ;

(c) "Sanitary and water fittings" mean all types of bathroom fittings used for water supply and sanitation purposes, but do not include cast iron fittings items, like guilty gratings, wall brackets, for basins or water closets, water closets, towel rods and fittings for industrial purposes.

3. Quality Control and Inspection.—(1) Quality Control—The quality control of the sanitary and water fittings intended for export shall be done with a view to see that the same conform to the specifications recognized by the Central Government under section 6 of the Act, by effecting the following controls, at different stages of manufacture together with the levels of control as given in the Schedule annexed hereto, namely :—

(i) Boughout materials and components control.—(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials of components to be used and shall have adequate means of inspection or testing to ensure conformity of the incoming lots.

(b) The accepted consignments shall be either accompanied by a supplier's test or inspection certificate corroborating the requirements of the purchase specification, in which case occassional checks (that is to say, once in each quarter of the year for the same supplier of the same material) shall be conducted by the manufacturer for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test or inspection certificates ; or the purchased materials or components shall be regularly inspected or tested either in a laboratory in the factory or in some other laboratory or test house.

(c) The sampling for inspection or test to be carried out shall be based on a recorded investigation.

(d) After the inspection or test is carried out, systematic methods shall be adopted in segregating the accepted and rejected materials or components and in disposal of rejected materials or components.

(e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(ii) Process Control : (a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturer for different processes of manufacture.

(b) Equipments, instrumentation and facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specifications.

(c) Adequate records in respect of the above mentioned facturer to ensure the possibility of verifying the controls effected during the process of manufacture.

(iii) Product Control : The manufacturer shall either have his own adequate testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the specifications recognised under section 6 of the Act.

(b) Sampling (wherever required) for testing shall be based on a recorded investigation.

(c) Adequate records in respect of tests carried out shall be regularly and systematically maintained by the manufacturer.

(iv) Preservation control : (a) A detailed specification shall be laid down by the manufacturer to safeguard the products from adverse effects of weather conditions.

(b) The products shall be well preserved both during storage and transit.

(v) Metrological Control : Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked or calibrated and recorded shall be maintained in the form of history cards by the manufacturer.

(vi) Packing control The manufacturer shall lay down a detailed packing specifications for export packages and shall strictly adhere to the same

(2) Inspection The Inspection of sanitary and water fittings intended for export shall be done by drawing samples from the consignment, for carrying out examination and testing of the same, with a view to see that the consignment conforms to the standard specifications recognized by the Central Government under section 6 of the Act

4 Basis of Inspection The inspection of sanitary and water fittings intended for export shall be carried out with a view to see that the same conform to the standard specifications recognized by the Central Government under section 6 of the Act

(a) either by ensuring that during the process of manufacture the quality controls as specified in sub-rule (1) of rule 3 have been effected, or

(b) on the basis of inspection carried out in accordance with sub-rule (2) of rule 3, or

(c) by both

5 Procedure of Inspection (1) (a) Any exporter intending to export a consignment of sanitary and water fittings shall give an intimation in writing to any one of the agencies of his intention so to do, and submit, along with such intimation, a declaration —either that the consignment of sanitary and water fittings has been or is being manufactured by effecting quality control measures as per controls referred to in sub-rule (1) of rule 3 and that the consignment conforms to the standard specifications recognized for the purpose, or that the specifications stipulated in the export contract, giving details of all the technical characteristics to eable the agency to carry out inspection, are in accordance with sub-rule (2) of rule 3

(b) The expprter shall at the same time endorse a copy of such intimation and declaration to the nearest office of the Council The addresses of the Council offices are as under —

Head Office Export Inspection Council 'World Trade Central' (7th floor) 14/1B, Ezra Street, Calcutta-70001

Regional Offices : (i) Export Inspection Council, Aman Chambers (5th floor), 113, M V Karve Road Bombay-400004

(ii) Export Inspection Council, Manohar Building, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-682011

(iii) Export Inspection Council, Municipal Market Building, 3, Saraswati Marg, Karol Bagh, New Delhi-110005

(2) The exporter shall also furnish to the agency the identification marks applied on the consignment

(3) Every intimation and declaration under sub rule (1) shall reach the office of the agency not less than seven days prior to the despatch of the consignment from the manufacturer's premises or exporter's premises

(4) (a) On receipt of the intimation and declaration under sub rule (1), the agency on satisfying itself, on the basis of inspection carried out as provided for in rule 4 and the instructions, if any, issued by the Council in this regard, that the consignment has been manufactured according to the standard specifications applicable to it, shall within seven days, issue a certificate declaring the consignment of sanitary and water fittings as exportworthy

Provided that where the agency is not so satisfied it shall, within the said period of seven days, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor

(b) Except in cases where the exporter is himself the manufacturer of the consignment of sanitary and water fittings and the inspection is carried out according to the provisions of sub-clause (a) or sub-clause (c) of rule 4, in all other cases, after completion of inspection, the agency shall immediately seal the packages of the consignment in a manner so as to ensure that the sealed goods cannot be tampered with In case of rejection of the consignment, if the exporter so desires the consignment may not be sealed by the agency In such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer an appeal against the rejection

Place of Inspection —Inspection of sanitary and water fittings for the purpose of these rules shall be carried out —

(a) at the premises of the manufacturer or

(b) at the premises at which the consignment of sanitary and water fittings is offered for inspection by the exporter, provided adequate facilities for the purpose of inspection and testing exist therein

7 Inspection fee —Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee at the rate of fifty paise for every Rs 100 of f o b value, shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee

8 Appeal —(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 5, may, within ten days of the date of the communication of such refusal prefer an appeal to an appellate Panel consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Governmet.

(2) At least two thirds of the total membership of the Panel shall consist of non-officials

(3) The quorum for the Panel shall be there

(4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipt

SCHEDULE

[See rule 3(1)]

Test/Inspection characteristic	Requirements	No of samples to be inspected/ tested	Lot size/frequency	Remarks
1 Bought out components				
(i) Dimension	As per standard specification	On the basis of standard A Q.L	Each consignment	
(ii) Visual	do-	-do-	-do-	
2. Process control				
(i) Casting				
Material composition	-do-	-do	Each charge	
(ii) Machining				
(a) Visual	do-	do-	Each day s production	
(b) Dimension	-do-	-do-	-do-	

1	2	3	4	5	6
	(iii) Plating				
	(a) Bath temperature and time	-do-	-do-	Every half an hour under identical condition of manufacturing batch.	
	(b) Bath concentration	-do-	-do-	-do-	
	(c) Adhesion	-do-	-do-	Every two hours under identical condition of manufacturing batch.	
	(d) Plating thickness	-do-	-do-	-do-	
	(iv) Assembly	-do-	-do-	Each day's production.	
3.	Product testing :				
	(i) Workmanship & finish	-do-	-do-	Each batch of production of one type & size.	
	(ii) Hydraulic pressure test at 300 p.s.i. 20 kgf/cm² minimum.	-do-	-do-	-do-	
	(iii) Weight of fittings	-do-	-do-	-do-	
4.	Packing :				
	(i) Appearance	-do-	Each	Each consignment.	
	(ii) Drop test	-do-	1	Each consignment.	
	(iii) Rolling test	-do-	1	Each consignment.	
	(iv) Water spraying test	-do-	1	Each design.	

The package shall be well finished and have a good appearance.

The package shall be such as to ensure that the inner contents shall withstand Drop test, Rolling test and Water spraying test as given below:

Drop test:—(to be restricted to head loads upto 37 Kgs. only). The package to be dropped from a height of 150 cm. once on the largest flat surface, once on the longest edge and once on any corner of its own.

Rolling test:—(to be restricted to a weight of 500 Kgs. only). The package to be subjected to rolling on its sides either six metres forward and six metres backward or twelve metres in the direction only.

Water spraying test:—The package to be exposed to a water spray equivalent to a normal accidental monsoon shower for five minute.

ANNEXURE II

[See sub-paragraph (3) of paragraph 2]

Minimum Specifications for Sanitary and Water Fittings

1. Workmanship and finish :

1.1 Fittings shall be smooth, free from burrs, deep scratches and other manufacturing defects including casting defects.

1.2 Minor defects on threading shall be permissible provided they do not cause leakage when fitted with the mating parts.

1.3 When plated, the surfaces shall be uniform and free from plating defects such as pits, blisters, unplated spots and cracks.

1.4 Minor scratches and not exceeding two spot marks shall be permissible.

1.5 On surfaces such as sharp angles, bends, turning for shape etc., which may be inaccessible for the purpose of polishing, apparent surface defects shall be permissible.

1.6 Marks formed by wires used for hanging while plating shall be permissible.

2. Tolerance on weight :

The tolerance on weight of fittings as declared by the exporter shall be ± 5 per cent.

3. Pressure Test :

3.1 Each fittings, complete with its components shall be capable of withstanding an internally applied hydraulic pressure applied on the seat of the fitting, indicated below for a period of two minutes, during which it shall neither leak nor sweat.

Other than Light Quality : 20 kgf/cm² 6300 psig)
Light Quality : 6. 71 kgf/cm² (100 psig)

Explanation.—"Light quality fittings" shall be such of those fittings having a maximum weight of each fitting as indicated below:

Types of Fitting	Weight of each fitting
(a) All types of cocks	350 gms.
(b) All types on concealed looks	450 gms.
(c) All types of mixers (assempled with all accessories)	1000 gms.

3.2 PVC pipes wherever used with the fittings shall be capable of withstanding water flow test only, without any leakage.

4. Quenching test for plated fittings :

4.1 Each electro-plated fitting shall be capable of withstanding quenching test as given below:

Fittings shall be heated in an oven for a period of one hour at a temperature indicated below :

Base metal	Temperature
Zinc Alloy	150°C
Copper and its Alloys & Aluminium and its Alloys	250°C
Steel	300°C

Note : Tolerance on temperature shall be ±10°C.

At the end of that period, the fittings shall be quenched in water at room temperature. The coating shall continue to adhere to the base metal after the fitting is subjected to this test. For this test, cutting of the article is not necessary.

4.2 The above test shall be carried out on the fittings after removing plastic, rubber or ABS chrome plated parts, if any, attached to the fittings under test.

5. Sampling and criteria for conformity :

5.1 Sample size for visual inspection and hydraulic test shall be 0.5 per cent of the lot size consisting of fittings of each type and size, subject to a minimum of three pieces. No defective shall be permissible.

5.2 For quenching test, one fitting out of every 1,000 fittings of one type and size or part thereof, shall be tested. In case of failure of the same, three more pieces shall be tested and the lot shall be accepted if the best of the three additional pieces pass the test.

If the lot size for each type and size of fittings exceeds 1000 nos., the sample size shall be three pieces for each lot. The consignment shall be accepted if the best of the three pieces pass the test.

6. Packing :

6.1 Unless otherwise specified by the foreign buyer, each fitting shall be wrapped in a tissue paper and then packed in a cardboard box.

6.2 Packages weighing upto 37 kgs. shall be able to withstand a drop from a height of 190 cm. without any damage to contents inside or the package itself.

6.3 Packages shall be adequately protected against adverse effects of weather and moisture contamination.

[No. 6(5)/79-EI&EP]

K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1979

का० आ० 2660.—यत: भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में मैसूर विश्वविद्यालय की सीनेट ने डॉ० ए० कृष्णा राव, डीन, कस्तूरबा मेडिकल कालेज, मनीपाल, कर्नाटक को 16 मार्च, 1979 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है ·

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 138 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् .—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 20 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् :—

"20. डॉ० ए० कृष्णाराव,
डीन,
कस्तूरबा मेडिकल कालेज,
मनीपाल, कर्नाटक ।"

[संख्या वी० 11013/18/79-एम० ई० (पा०)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 18th July, 1979

S.O. 2660.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of Sub-Section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. A. Krishna Rao, Dean, Kasturba Medical College, Manipal, Karnataka, has been elected by the Senate of the Mysore University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 16th March, 1979;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of the Sub-Section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", for Serial No.20 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entry shall be substituted, namely :—

"20. Dr. A. Krishna Rao,
Dean,
Kasturba Medical College,
Manipal, KARNATAKA."

[No. V. 11013/13/79-M.E. (Policy)]

का० आ० 2661.—यत: भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में मदुरै कामराज विश्वविद्यालय ने डॉ० श्रीमती पार्वती देवी, डीन, मदुरै मेडिकल कालेज, मदुरै को 8 मार्च, 1979 से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार की 9 जनवरी, 1960 की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 138 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् .—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन मनोनीत" शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 53 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाए, अर्थात् —

"54. श्रीमती पार्वती देवी,
डीन,
मदुरै मेडिकल कालेज,
मदुरै ।"

[संख्या वी० 11013/19/79-एम०ई० (पी०)]

S.O. 2661.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. Smt. Parvathy Devi, Dean Madurai Medical College, Madurai has been elected by the Madurai Kamaraj University, to be a member of the Medical Council of India with effect from the 8th March, 1979;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of the sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India, Ministry of Health No. S. O. 138 dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of secton 3", after Serial No.53 and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be added namely :—

"54 Dr. Smt. Parvathy Devi,
Dean,
Madurai Medical College,
MADURAI".

[No. V. 11013/19/79-M.E. (Policy)]

आदेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1979

का० आ० 2662.—यत: भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 31 जनवरी, 1972 की अधिसूचना सं० एफ० 19-37/71-एम० पी० टा० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए एम० डी० (रोम) इटली द्वारा प्रदत्त चिकित्सा अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यत: डॉ० लुस्सू ग्रेजिएल्ला जिनके पास उक्त अर्हता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिये फिलहाल सुमन हाल्ली (सोसाइटी फार दि वेल्फेयर एण्ड रिहेबिलिटेशन आफ लेप्रासी पेशेन्ट) कर्नाटक के साथ सम्बद्ध है,

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा—

(1) सरकारी राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि, अथवा

(2) उस अवधि को जब तक डॉ० लुस्सू ग्रेजिएल्ला उक्त सुमन हाल्ली (सोसाइटी फार दि वेलफेयर एण्ड रिहेबिलिटेशन आफ लेप्रासी

पेशेण्ट), कर्नाटक के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वोक्त डॉ० उक्त संस्था में मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं० वी० 11016/13/79-एम० ई० (पी)]

आशा शर्मा, उप सचिव

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1979

S.O. 2662.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. F. 19-37/71-MPT dated the 31st January, 1972 the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. (Rome), Italy shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Lussu Graziella who possesses the said qualification is for the time being attached to the Sumana Halli (Society for the Welfare and Rehabilitation of Leprosy Patients) Karnataka for the purposes of Charitable work.

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

(i) a period of two years from the date of publication of this order in the Official Gazette, or

(ii) the period during which Dr. Lussu Graziella is attached to the said Sumana Halli (Society for the Welfare and Rehabilitation of Leprosy Patients) Karnataka,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be imited to the said Institution.

[No. V. 11016/13/79 M.E. (Policy)]

ASHA SHARMA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1979

का०आ० 2663.—औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 33ग की उपधारा (1), (2), (3) और (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 27 अगस्त, 1975 की अधिसूचना संख्या एक्स 19012/2/75-ए०पी०सी० का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 1 अगस्त, 1979 से निम्नलिखित सदस्यों का एक आयुर्वेदिक तथा यूनानी औषधि तकनीकी सलाहकार बोर्ड गठित करती है :—

धारा 33 ग की उपधारा (2) के खण्ड (1) से 4 तक के अधीन पदेन सदस्य :

1. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक,
2. औषधि नियंत्रक (भारत),
3. स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के सलाहकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
4. निदेशक, केन्द्रीय औषधि प्रयोगशाला कलकत्ता।

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (5) के अधीन मनोनीत

डॉ० पी० आर० पबराय,
निदेशक,
भारतीय भेषज संहिता की केन्द्रीय प्रयोगशाला,
राजनगर,
गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)।

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड 6 के अधीन मनोनीत.

डॉ० एच० एन० राय चौधरी,
इकोनोमिक बोटेनिस्ट,
बोटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया,
शिवपुर, हावड़ा (पश्चिम बंगाल)।

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड 7 के अधीन मनोनीत

डॉ० एस० पी० पोपली,
मुख्य, अलका लायडम सेक्शन,
केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान,
छत्तर मंजिल पैलेस,
लखनऊ-1

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (9) के अधीन मनोनीत

प्रो० पी० वी० शर्मा,
द्रव्यगुण विभाग के अध्यक्ष,
भारतीय चिकित्सा स्नातकोत्तर संस्थान,
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी।

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (10) के अधीन मनोनीत:

हकीम अनवर अहमद,
वरिष्ठ लेक्चरर,
आयुर्वेदिक और यूनानी तिब्बिया कालेज,
करोल बाग,
नई दिल्ली-5

धारा 33 ग की उपधारा (2) के खंड (II) के अधीन मनोनीत

1. श्री नरेश चन्द्र अग्रवाल,
   अध्यक्ष मैक्सो लेबोरेट्रीज (प्रा०) लिमिटेड,
   श्री भिखामल बिल्डिंग्स,
   कमला नगर,
   दिल्ली-7
2. श्री एस० आर० सिद्दीकी,
   डिवीजनल प्रबन्धक (प्रशासन),
   हमदर्द (वक्फ) लेबोरेट्रीज,
   हमदर्द मार्ग,
   दिल्ली-6

धारा 33 ग की उप-धारा (2) के खंड (12) के अधीन मनोनीत :

1. डॉ० ए० आनन्द कुमार,
   22, रामैया रोड,
   त्यागराजनगर,
   मद्रास-600017
1. हकीम मोहम्मद अशरफ करीम,
   प्रिंसिपल गवर्नमेंट तिब्बिया कालेज,
   पटना।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक पदेन सदस्य को अध्यक्ष तथा डॉ० पी० एन० वी० कुरुप, सलाहकार (स्वदेशी चिकित्सा पद्धति) को उक्त बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एक्स 19012/3/78-ए०पी०सी०]

सुन्दर कुमार कर्यक, उप सचिव

New Delhi, the 18th July, 1979

S.O. 2663.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) (2-, (3) and (7) of section 33C of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940) and in supersession of the notification of the Government of India in the late

Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) (No. X 19012/2/75-APC, dated the 27th August 1975, the Central Government hereby constitutes, with effect from 1st August, 1979, an Ayurvedic and Unani Drugs Technical Advisory Board consisting of the following members, namely :—

Ex-officio members under clauses (i) to (iv) of sub-section (2) of section 33C :

1. The Director General of Health Services.
2. The Drugs Controller (India).
3. The Adviser in Indigenous Systems of Medicine, Ministry of Health and Family Welfare.
4. The Director of the Central Drugs Laboratory, Calcutta

Nominated under clause (v) of sub-section (2) of section 33C.—Dr. P. R. Pabrai, Director, Central Indian Pharmacopoeial Laboratory, Rajnagar, Ghaziabad (U.P).

Nominated under clause (vi) of sub-section (2) of section 33C.—Dr. H. N. Rai Chowdhry, Economic Botanist, Botanical Survey of India, Sibpur, Howrah (W. Bengal).

Nominated under clause (vii) of sub-section (2) of section 33C.—Dr. S. P. Popli, Head, Alkaloids Section, Central Drugs Research Institute, Chattar Manzil Palace, Lucknow-1.

Nominated under clause (ix) of sub-section (2) of section 33C.—Prof. P. V. Sharma, Head of the Deptt. of Dravyaguna, P. G. Institute of Indian Medicine, Banaras Hindu University, Varanasi.

Nominated under clause (x) of sub-section (2) of section 33C.—Hakim Anwar Ahmed, Senior Lecturer, Ayurvedic & Unani Tibbia College, Karol Bagh, New Delhi-5.

Nominated under clause (xi) of sub-section (2) of section 33C.—1. Shri Naresh Chander Aggarwal, Chairman, Mayo Laboratories (P) Ltd., Shri Bhichamal Buildings, Kamla Nagar, Delhi-7.

2. Shri S. R. Siddiqui, Divisional Manager (Administration) Hamdard (Wakf) Laboratories, Hamdard Marg, Delhi-6.

Nominated under clause (xii) of sub-section (2) of section 33C.—1. Dr. A. Ananda Kumar, 22, Raghaviah Road, Thyagarayanagar, Madras-17 600017.

2 Hakim Mohd Ashraf Karim, Principal, Government Tibbia College, Patna.

2. The Central Government hereby appoints the Director General of Health Services, an ex-officio member, as Chairman and Dr. P.N V Kurup, Adviser (I.S.M.) as Secretary of the said Board

[No. X 19012/3/78-APC]
S. K. KARTHAK, Dy. Secy

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1979

का०आ० 2664—यत: दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (च) के उपबंधों का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार ने 23 जनवरी 1979 से 22 जनवरी, 1984 तक के लिये मेजर जनरल एम० एम० सूरी, निदेशक दन्त चिकित्सा सेवाएं चिकित्सा निदेशालय, थल सेना मुख्यालय, नई दिल्ली को भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत किया है।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 3 के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 12 अप्रैल, 1979 की अधिसूचना स० 10-10/48-एम० 1 मे, जो 25 फरवरी, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3 उप खण्ड (2) मे पृष्ठ 579 पर एस० ओ० 533 दिनाक 9 फरवरी, 1978 से पुन प्रकाशित और अद्यतन रूप मे संशोधित की गई है, आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है —

उक्त अधिसूचना मे "धारा 3 के खण्ड (च) के अधीन मनोनीत" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम संख्या 3 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाए —

1	2	3	4
"3	मेजर जनरल एम० एम० सूरी, निदेशक, दन्त चिकित्सा सेवा, चिकित्सा निदेशालय, थल सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।	केन्द्रीय सरकार	23-1-79 से 22-1-1984 तक"

[संख्या वी० 12013/1/78-पी०एम०एस०(ii)]
एन० ए० सुब्रामणि, अवर सचिव

New Delhi, the 24th July, 1979

S.O. 2664.—Whereas, the Central Government have in pursuance of clause (f) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), nominated Major General, M. M. Suri, Director, Dental Services, Medical Directorate Army Head Quarters, New Delhi to be a member of the Dental Council of India, with effect from the 23rd January, 1979 upto 22nd January, 1984 ;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No 10-10/48-MI, dated the 12th April, 1949, as republished as amended up-to-date in the Gazette of India Part II Section 3, sub-section (ii), dated the 25th February, 1978 S.O. 533, dated the 9th February, 1978, on page 579, namely :—

In the said notification, under the heading "Nominated under clause (f) of section 3", for serial No. 3 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

1.	2	3.	4
"3.	Major General M. M. Suri, Director, Dental Services, Medical Directorate Army Head Quarters, New Delhi.	Central Government	23-1-1979 upto 22-1-1984

[No. V. 12013/1/78-PMS(ii)]
N. A SUBRAMONEY, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 16 जुलाई 1979

का०आ० 2665—I इस विभाग के 31 मई, 1979 के आदेश सं० 52/1/79 एफ०सी० III (वाल्यूम II) में निम्नलिखित शुद्धि की जाए—

स्थानान्तरण आदेश मे क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धि
3	कालम 3 मे कनिष्ठ गोदाम रक्षक के स्थान पर "वरिष्ठ गोदाम रक्षक" पढ़ें।

II इस विभाग के 23 अप्रैल, 1979 के आदेश स० 52/1/79 एफ० सी० III (वाल्यूम II) मे निम्नलिखित शुद्धि की जाए —

स्थानान्तरण आदेश मे क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धि
1	कालम 2 मे श्री बी० के० बाजपाल के स्थान पर "श्री बी० के० बाजपेयी" पढ़ें।

III इस विभाग के 11 अगस्त, 1978 के आदेश सं० 52/7/74-एफ० सी० III (वाल्यूम XI) में निम्नलिखित शुद्धि की जाए —

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धि
20	कालम 2 में श्री प्रण बहादुर राना सुपुत्र श्री तनबीर राना के स्थान पर "श्री प्रेम बहादुर राना" पढ़ें।

IV इस विभाग के 11 अक्तूबर, 1972 के आदेश स० 52/21/68 आर० ई० 1 में निम्नलिखित शुद्धियां की जाए —

स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या	की जाने वाली शुद्धियां
916	कालम 2 में "श्री ए०एस० गंजुरदे" के स्थान पर "श्री ए० एस० गंगुरदे" पढ़ें।
2491	कालम ई में "श्री एस० एन० नीलवर्णा" के स्थान पर "श्रीमती एस० एन० नीलवर्णा" पढ़ें।

V. इस विभाग के 4 अक्तूबर, 1973 के आदेश स० 52/21/68 आर० ई० 1 में निम्नलिखित शुद्धि की जाए —

शुद्धि पत्र में क्रम स०	की जाने वाली शुद्धि
902	इसे निकाल दिया जाए।

[स० 52/1/79-एफ०सी०III (वाल्यूम III)]

एस० एल० कम्बोह, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Food)

CORRIGENDA

New Delhi, the 16th July, 1979

S.O. 2665.—I. In this Department Order No. 52/1/79-FC. III (Vol. II), dated 31-5-79, the following correction shall be carried out :—

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
3.	For the words "Junior Godown Keeper", in col. 3, read "Senior Godown Keeper".

II. In this Department Order No. 52/1/79-FC. III (Vol. II) dated 23-4-79, the following correction shall be carried out :—

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
3.	For the words "Shri B. K. Bajpal" in col. 2, read "Shri B. K. Bajpai".

III. In this Department Order No. 52/7/74-FC. III (Vol. XI) dated 11-8-78, the following correction shall be carried out :—

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
20.	For the words "Shri Pran Bahadur Rana S/o Tanbir Rana" in col. 2, read "Shri Prem Bahadur Rana".

IV. In this Department Order No. 52/21/68-RE.I dated 11-10-72, the following corrections shall be carried out :—

S. No. in the Transfer Order	Correction to be carried out
916	For the words "Shri A.S. Ganjurde" in col. 2, read "Shri A.S. Gangurde".
2491	For the words "Shri S.N Nilwarna" in col e, read "Smt. S.N Nilwarna".

V. In this Department Corrigendum No. 52/21/68-RE I dated 4-10-73, the following correction shall be carried out:—

Sl. No. in the Corrigendum	Correction to be carried out
902	May be deleted.

[No. 52/1/79-FC.III (Vol. III)]

S. L. KAMBOH, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1979

का०आ० 2666 —सरकारी परिसर (अप्राधिकृत दखलकार की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, निर्माण और आवास मंत्रालय के दिनांक 30 सितम्बर, 1972 के सांविधिक आदेश सं० 2684 का अतिक्रमण करके, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा नीचे दी गई सारणी के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारियों की नियुक्ति करती है। यह अधिकारी उक्त अधिनियम के उद्देश्य हेतु सम्पदा अधिकारी होने के लिए सरकारी राजपत्रित अधिकारी के समान पद के अधिकारी है। ये अधिकारी सरकारी परिसर के बारे में उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा अन्तर्गत सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और सौंपे गए कार्यों का पालन अपने अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाओं में करेंगे। ऐसे सरकारी परिसर का उल्लेख उक्त सारणी के कालम दो में किया गया है।

सारणी

अधिकारी पद का नाम	सरकारी परिसर का वर्गीकरण तथा अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाएं
1	2
1 सम्पदा प्रबंधक भारत कोकिंग कोल लि० झरिया (बिहार) 2 उप सम्पदा अधिकारी भारत कोकिंग कोल लि०, झरिया (बिहार)	कोयला नियंत्रक, कलकत्ता के कार्यालय का परिसर अथवा पट्टे पर लिया गया परिसर अथवा उसके द्वारा या मार्फत मांगे गए परिसर जो बिहार राज्य के धनबाद जिले में कोयला अधीक्षक तथा पश्चिम बंगाल के बर्दवान जिले में कोयला अधीक्षक के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

[फा०सं० सी० सी०1(19)/76-प्रशा०-1]

व० सीतारामन, निदेशक

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 26th June, 1979

S. O. 2666.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 2684, dated the 30th September, 1972, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officers equivalent to the rank of gazetted officers of Government to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on the estate officers by or under the said Act, within the limits of their jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table:—

TABLE

Designation of the officer	Categories of Public Premises and Local Limits of Jurisdiction
(1)	(2)
1. Estate Manager, Bharat Coking Coal Limited, Jharia (Bihar).	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned by or on behalf of the Coal Controller's Office, Calcutta which are
2. Deputy Estate Manager, Bharat Coking Coal Limited, Jharia (Bihar).	under the Administrative control of the Coal Superintendent in the District Dhanbad in the State of Bihar and the Coa Superintendent in the District Burdwan in the State of West Bengal.

[F.No.GC-1(19)/76-Adm I]
K. SITARAMAN, Director.

नई दिल्ली, 20 जुलाई 1979

का०आ० 2667.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण केन्द्रीय कोल फील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) का कार्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में या उपायुक्त का कार्यालय गिरिडीह (बिहार) में अथवा कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 7 में विनिर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, केन्द्रीय कोलफील्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

अनुसूची

हजारी ब्लाक

सवांग पुनर्गठन परियोजना

जिला गिरीडीह, बिहार

रेखांक सं० राजस्व/30/79

तारीख 5-5-79

पूर्वेक्षण के लिये अधिसूचित भूमि

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	हजारी	गुमिया	112	गिरीडीह		भाग

(कुल क्षेत्र) 56.00 एकड़ (लगभग)
या 22.66 हेक्टर (लगभग)

सीमा विवरण

क–ख रेखा हजारी ग्राम में से होकर जाती है।

ख–ग–घ–ङ–च– रेखाएं हजारी ग्राम में से होकर जाती हैं।

च–क रेखा बोकारो नदी के बायें तट भाग के साथ हजारी ग्राम में से होकर जाती है और 'क' बिन्दु पर मिलती है।

[सं 19(20)/79-सी एल]

New Delhi, the 20th July, 1979

S.O. 2667.—Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

2. The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or at the Office of the Deputy Commissioner, Giridih (Bihar) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All person interested in the land covered by this Notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE
HAZARI BLOCK

Sawang Re-organisation Project, District Giridih (Bihar)
Drg. No. Rev/30/79
dt. 5-5-79
(Lands notified for prospecting)

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1.	Hazari	Gumia	112	Giridih		Part

Total area— 56.00 acres (approx)
or 22.66 hectares (approx)

Boundary Description:

A-B	line passes through village Hazari.
B-C-D-E-F	lines pass through village Hazari.
F-A	line passes through village Hazari along the part left bank of River Bokaro and meets at point 'A'.

[File No. 19(20)/79-CL]

का॰आ॰ 2668.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना ।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कोयला वाले क्षेत्र, (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण केन्द्रीय कोल फील्ड्स लिमिटेड का कार्यालय (राजस्व विभाग) दरभंगा हाउस रांची में उपायुक्त के कार्यालय हजारी बाग (बिहार) में अथवा कोयला नियंत्रक का कार्यालय, 1 कांउसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 7 में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, केन्द्रीय कोल फील्ड्स लिमिटेड दरभंगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

अनुसूची

सिरका कोयला खान विस्तार—III

(दक्षिणी कर्णपुरा कोलफील्ड)

जिला हजारी बाग

(बिहार)

रेखांकन सं० राज० 20/79

तारीख 12-4-79

(पूर्वेक्षण के लिये अधिसूचित भूमि दर्शित करते हुए)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	टोंगी	माडू	135	हजारी बाग		भाग
2.	सिरका	,,	136	,,		,,

कुल क्षेत्र 140.00 एकड़ (लगभग)
या 56.65 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा विवरण

क—ख	रेखा ग्राम टोंगी और सिरका से होकर निकलती है।
ख—ग	रेखा ग्राम सिरका से होकर निकलती है जो सिरका रेलवे साइडिंग की अर्जित सीमा की भागतः सम्मिलित सीमा बनाती है।
ग—घ	रेखा ग्राम सिरका से होकर निकलती है।
घ—ङ	रेखा ग्राम सिरका और टोंगी की भागतः सम्मिलित सीमा होकर निकलती है।
ङ—च—क	रेखा ग्राम टोंगी से होकर निकलती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[फा०सं० 19(21)/78-सी०एल०]

S.O. 2668.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Requisition and development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

2. The plan of the area covered by this notification can be inspected at the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or at the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or at the Office of the Coal Controller, 1, Council house Street, Calcutta.

All persons interested in the landscovered by this Notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

SCHEDULE

Sirka Colliery Extn. III

(South Karanpura Coalfield)

Distt. Hazaribagh

(Bihar)

Drg. No. Rev/20/79
dt. 12-4-1979
(Showing lands notified for prospecting)

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Tongi	Mandu	135	Hazaribagh		part
2.	Sirka	-do-	136	-do-		-do-
	Total area:—		140.00	acres		(approximately)
		or	56.65	hec.		(approximately)

Boundary description:

A-B	line passes through village Tongi and Sirka.
B-C	line passes through village Sirka (which forms part common boundary of the Sirka Railway Siding acquired boundary.
C-D	line passes through village Sirka.
D-E	line passes along the part common boundary of villages Sirka & Tongi.
E-F-A	lines pass through village Tongi and meets at starting point 'A'.

[File No. 19(21)/79-CL]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1979

का॰आ॰ 2669.—भारत के राजपत्र तारीख 12 मई 1979 के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 1443 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का॰आ॰ सं० 1527, तारीख 28 अप्रैल, 1979 में—

पृष्ठ 1443 पर: (1) प्रथम पैरा में "506.00 हेक्टर (लगभग) 506 क्षेत्रफल" के स्थान पर "506.00 हेक्टर (लगभग) क्षेत्रफल" पढ़िए।

(2) टिप्पण 2 म "अर्जन पर आपत्ति 8(8)(1)" के स्थान पर "आपत्ति 8(1)" पढ़िए।

पृष्ठ 1443/1444 म यथामुद्रित अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित पढ़िए।

अनुसूची

राजगमार विस्तार ब्लाक

(कोरबा कोयला क्षेत्र)

जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

रेखांक संख्या—डब्ल्यू सी एल/सी-1(ई) 3/डी और 202-1178 तारीख 1-11-78

(जिसमे ऐसी भूमि दर्शित की गई है जिसमे खनिजों के खनन, खदान, बेधन, खुदाई और तलाश-अन्वेषण इन पर कार्य करने और इनके ढाने के अधिकार अर्जित किए जाते है)

खनन अधिकार

क्रम स०	ग्राम का नाम	थाना स०	प०म०स०	तहसील और थाना
1	2	3	4	5
1	राजगमार	249	19	तहसील कटघोरा और जिला बिलासपुर।
2	केराकछार	251	18	तहसील कटघोरा और जिला बिलासपुर
3	कोरकोमा	252	19-"-	--
4	केरवा (असर्वेक्षित)	--	19- -	--
5	घेगुरडीह (असर्वेक्षित)	--	19-"-	--

क्षेत्रफल हेक्टेयर मे सरकारी भूमि	क्षेत्रफल हेक्टेयर मे अभिधृति भूमि	योग	टिप्पणी
6	7	8	9
328 390	52 856	381 246	भाग
65 705	0 332	66 037	भाग
26 143	12 484	38 627	भाग
--	--	9 672	भाग
--	--	6 657	भाग
420 238 हेक्टर (लगभग) या 1038 43 एकड़ (लगभग)	65 672 हेक्टर (लगभग) या 162 28 एकड़ (लगभग)	502 239 हेक्टर (लगभग) या 1241 06 एकड़ (लगभग)	

राजगमार ग्राम मे अर्जित किए जाने वाले प्लाट स०

931 पी 93/2, 94 स 99 तक, 100 पी 101-102/2-174 पी, 102/1, 103/1 स 103/3 तक 104, 105, 106/1, 106/2, 107 से 116 तक 117 117/1 मे 117/2, 118 से 122 तक, 123/1 के पी, 123/1 के एच, 123/1 जी, 123/1 जी एच, 123/2 पी, 124 से 143 तक, 144/1, 144/2, 145/1, 145/2 पी से 145/5 पी तक, 162 पी, 163 पी, 146/2 159, 161 पी, 165 से 170 तक 171 पी, 172/1 पी, 172/2 पी 173 पी, 284/1 के पी, 293 पी, 294 पी, 295/1 के पी, 295/2, 296 से 300 तक, 301-302/के एच पी, 302/1 के, 302/1 जी पी, 302/2 पी, 303 मे 308 तक, 309-311/3 310/1 पी, 310/2 पी, 311/1 पी, 321, 323/1 पी, 719/2 पी, 723 पी, 724/1 पी, 730/1 पी, 731 से 734 तक 735 पी, 736 पी, 737/1 के 737/1/जी पी, 737/1 के एच, 738/1 से 738/4, 739, 740, 741/1 के पी, 742/1-734/1 पीछ 741 2 और 742/2-743/2

ग्राम कोरकोमा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं०

49 पी, 86/1 पी और 87,

ग्राम कोरकोमा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट स०

1/1 पी, 1/2 पी, 2-17/2, 3-14-15-16-17/1, 4-6-12/1-13/1 पी, 5-7 पी, 12/2 पी, 13/2 पी, 17/3, 17/4-19-20, 17/5, 18, 21/1 पी, 21/2 पी और 43/1 पी,

ग्राम केरवा में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं०

(असर्वेक्षित)

ग्राम घेगुरडीह में अर्जित किए जाने वाले प्लाट स०

(असर्वेक्षित)

सीमा वर्णन —

क-ख— रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट म० 93/1, 123/1 के 123/2 के से होकर जाती है और प्लाट स० 311/1 मे, बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख ग-घ रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट म० 311/1, 310/1, 302/1 के,

ङ-च-छ ज 302/1 जी, 302/1 के, एच-301, 310/2, 323/1, 736, 735, 730/1, 724/1, 723, 719/2 और ग्राम राजगमर और केरवा (असर्वेक्षित) का सम्मिलित सीमा के बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज-झ ञ रेखा ग्राम राजगमर केरवा (असर्वेक्षित) की सम्मिलित सीमा के निकट से गुजरती है और ग्राम राजगमर और केराकछार से होकर जाती है और बिन्दु 'ञ' पर मिलती है।

ञ-ट-ठ रेखा ग्राम केरा कछार के प्लाट स० 49, 86/1 और ग्राम केरवा (असर्वेक्षित) और तत्पश्चात् ग्राम राजगमर के प्लाट स० 742/1, 743/1 से होकर जाता है और प्लाट स० 741/1 के मे बिन्दु 'ठ' पर मिलती है।

ठ-ड रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट म० 741/1, के से होकर ग्राम कारकामा के प्लाट स० 43/1, 21/2 मे जाता है और प्लाट स० 21/1, मे बिन्दु 'ड' पर मिलती है।

ड-ढ रेखा ग्राम कारकामा के प्लाट म० 21/1, 4-6-12/1 13/1, 12/2, 13/2, 1/2, 1/1, 5-7 से गुजर और तत्पश्चात् ग्राम घेगुडीह (असर्वेक्षित) और ग्राम राजगमर से होकर जाती है और प्लाट म० 737/1, के 737/1 जा मे बिन्दु 'ढ' पर मिलता है।

ढ-ण-त रेखा ग्राम राजगमर के प्लाट स० 737/1 के 737/1 जा, 294, 293, 295/1 के, 284/1 के, 302/2, 302/1 क 302/1 जी, 115/3, 145/4, 145/5, 146/2, 159—164, 163, 162 6 171 172/2, 173, 101,—102/2,—174, 100 मे होकर जाता है और प्लाट म० 93/1, म बिन्दु 'त' पर मिलता है।

त क रेखा ग्राम राजगमर से होकर जाती है और प्लाट म० 93/1 मे प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[स० 19(63)/77-सी० एल०]

सहायक प्रबन्धक

एस०आर०ए० रिज़वी, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 20th July, 1979

S.O. 2669.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 1527 dated the 28th April, 1979, published at pages 1444 to 1446 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 12th May, 1979 :

(1) In sub-section (3) of section 8, in line 4, for "under his Act" read "under this Act"

(2) Under the heading "plot numbers to be acquired in village Rajgamar" for "123/1KH, 123/1KH" read "123/1KP. 123/1KH".

at page 1446

(1) Under the heading "plot numbers to be acquired in village Rajgamar" for "123/1KH, 123/1KH" read "123/1KP,

(2) Under the heading "Boundary Description",—

(i) in the entry against item J-K-L, for "742/1-43/1" read "742/1-743/1".

(ii) in the entry against item N-O-P, for "102/102/2-174" read "101-102/2-174".

[F. No. 19(63)/77-CL]

S. R. A. RIZVI, Director

संस्कृति विभाग

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1979

पुरातत्व

का०आ० 2670.—केन्द्रीय सरकार, की यह राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थल और अवशेष राष्ट्रीय महत्व के हैं;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त पुरातत्वीय स्थल और अवशेषों को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के निकाले जाने के दो मास के भीतर उक्त पुरातत्वीय स्थल और अवशेषों में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा दिये गये किसी आक्षेप पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी ।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	पुरातत्वीय स्थल और अवशेषों का नाम	सुरक्षा के अन्तर्गत आने वाली राजस्व प्लाट संख्याएं
1	2	3	4	5	6
तमिलनाडु	उत्तरी अर्काट	चेंगम	मोट्टुर (वेल्लूर-ग्राम)	वह स्थल, जिसमें वहां निर्मित मोनोलिथी ऐन्थ्रोपोमार्फिक आकृति सहित मेगालिथी श्मशान है, और जिसमें, जैसा कि नीचे दिए गए स्थल रेखांक में दिखाया गया है सर्वेक्षण प्लाट सं० 37, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 27/5, 28/1 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का भाग है।	सर्वेक्षण प्लाट सं० 37, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 27/5, 28/1 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का भाग, जैसा कि नीचे दिए स्थल रेखांक में दिखाया गया है।

क्षेत्रफल	सीमाएं	स्वामित्व	टिप्पणियां
7	8	9	10
16 02 एकड़	उत्तर—सर्वेक्षण प्लाट सं० 38	सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का शेष भाग :— सरकारी अनिर्धारित बंजर भूमि	
	पूर्व—सर्वेक्षण प्लाट सं० 35,36,28/2 और 29	सर्वेक्षण प्लाट सं० 37—पट्टा सूखी भूमि गोविन्द गोंडर भूमि।	
	दक्षिण—सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/6,22 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का भाग।	सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/1 निर्धारित बंजर सूखी भूमि	
	पूर्व—सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का भाग, सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/3 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 23/1 का शेष भाग।	सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/2—पट्टा सूखी भूमि सोला अथवा मलाई गोंडर सौर्यो बालाकृष्ण गोंडर।	
		सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/3—पट्टा सूखी भूमि सोला अरुणाचल गोंडर।	
		सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/4—पट्टा सूखी भूमि के गोविन्द गोंडर।	
		सर्वेक्षण प्लाट सं० 27/5—पट्टा सूखी भूमि बालाकृष्ण गोंडर, एस० रामनाथ गोंडर।	
		सर्वेक्षण प्लाट सं० 28/1—पट्टा सूखी भूमि अट्टैया गोंडर।	

मोटट्टूर में मेगालिथी श्मशानों का स्थल-मानचित्र
ग्राम-वेल्लूर, तालुक-चेंगम, जिला-उत्तरी अर्काट, तामिलनाडु

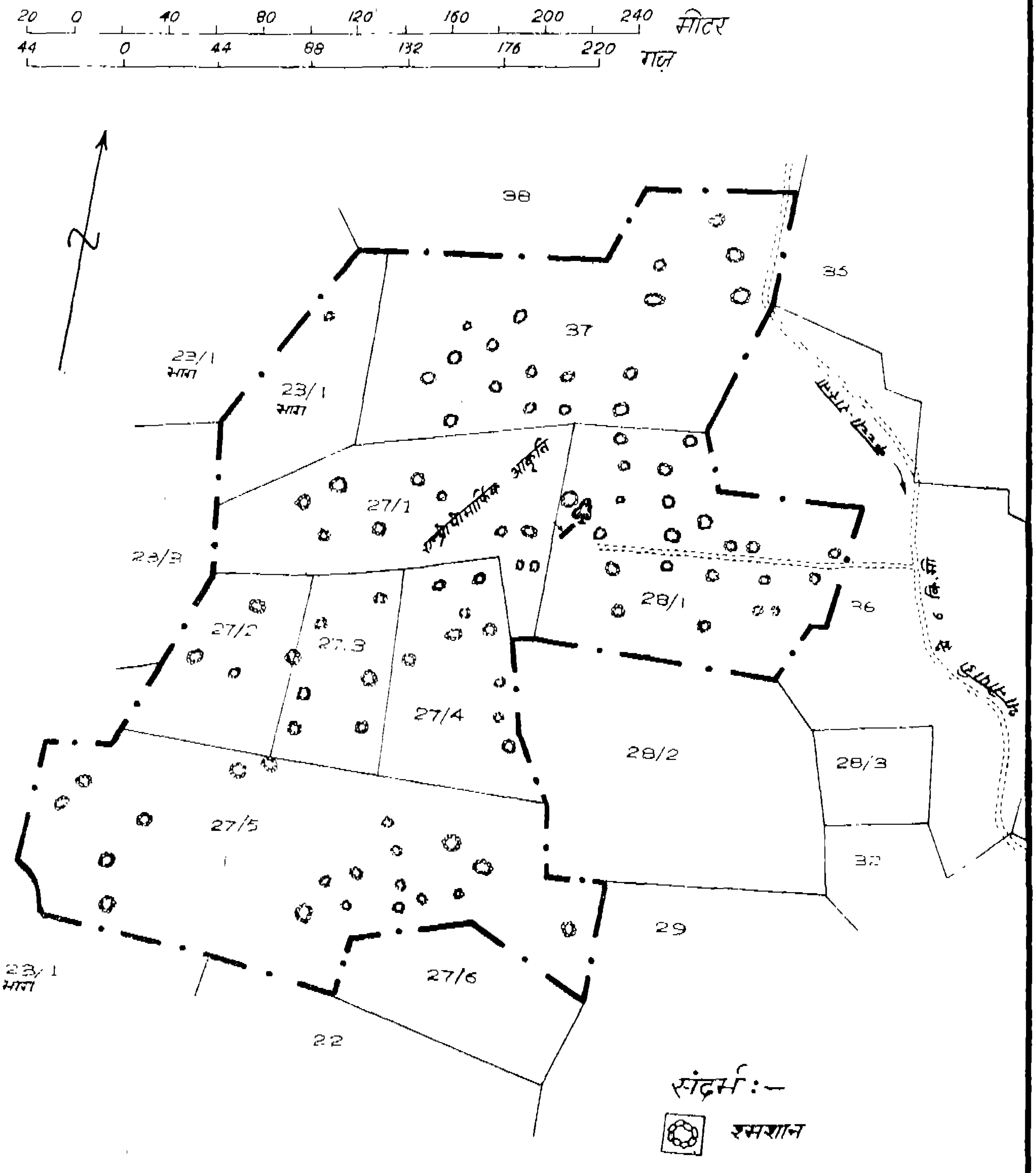

प्रस्तावित सुरक्षा की सीमाएं — · — · —

[सं० 2/12/76-एम०]

बाल कृष्ण थापर, महानिदेशक और पदेन संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 21st July, 1979

ARCHAEOLOGY

S.O. 2670.—Whereas the Central Government is of opinion that the archaeological site and remains specified in the Schedule attached hereto are of national importance ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said archaeological site and remains to be of national importance.

Any objection made within two months after the issue of this notification by any person interested in the archaeological site and remains will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of archeaological site and remains	Revenue plot numbers to be included under protection
1	2	3	4	5	6
Tamil Nadu	North Arcot	Chengam	Mottur (Velur village)	Site containing Megalithic burials including the monolithic anthropomorphic figure erected at the site, comprised in Survey plot Nos. 37, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 27/5, 28/1 and part of Survey plot No. 23/1 as shown on the site plan reproduced below.	Survey plot Nos. 37, 27/1, 27/2, 27/3, 27/4, 27/5, 28/1 and part of Survey plot No. 23/1 as shown on the site plan reproduced below.

Area	Boundaries	Ownership	Remarks
7	8	9	10
16.02 acres.	North:—Survey plot No. 38. East:—Survey plot Nos. 35, 36, 28/2 and 29. South:—Survey plot Nos. 27/6, 22 and portion of Survey plot No. 23/1. East:—A portion of Survey plot No. 23/1, Survey plot No. 23/3 and remaining portion of Survey plot No. 23/1.	Remaining portion of Survey plot No. 23/1:—Govt. unassessed waste land. Survey plot No. 37:—Patta Dry land Govinda Goundar. Survey plot No. 27/1:—Assessed waste dry land. Survey plot No. 27/2:—Patta Dry land Sola Annamelai Gounder Solo Balakrishna Gounder. Survey plot No. 27/3:—Patta dry land Sola Arunachala Gounder. Survey plot No. 27/4:—Patta dry land K. Govinda Gounder. Survey plot No. 27/5:—Patta dry land Balakrishna Gounder, S. Ramanatha Gounder. Survey plot No. 28/1:—Patta dry land Thattaya Gounder.	

SITE PLAN OF MEGALITHIC BURIALS AT MOTTUR

VILL.-VELUR, TALUK-CHENGAM, DISTT.-N.ARCOT, TAMILNADU

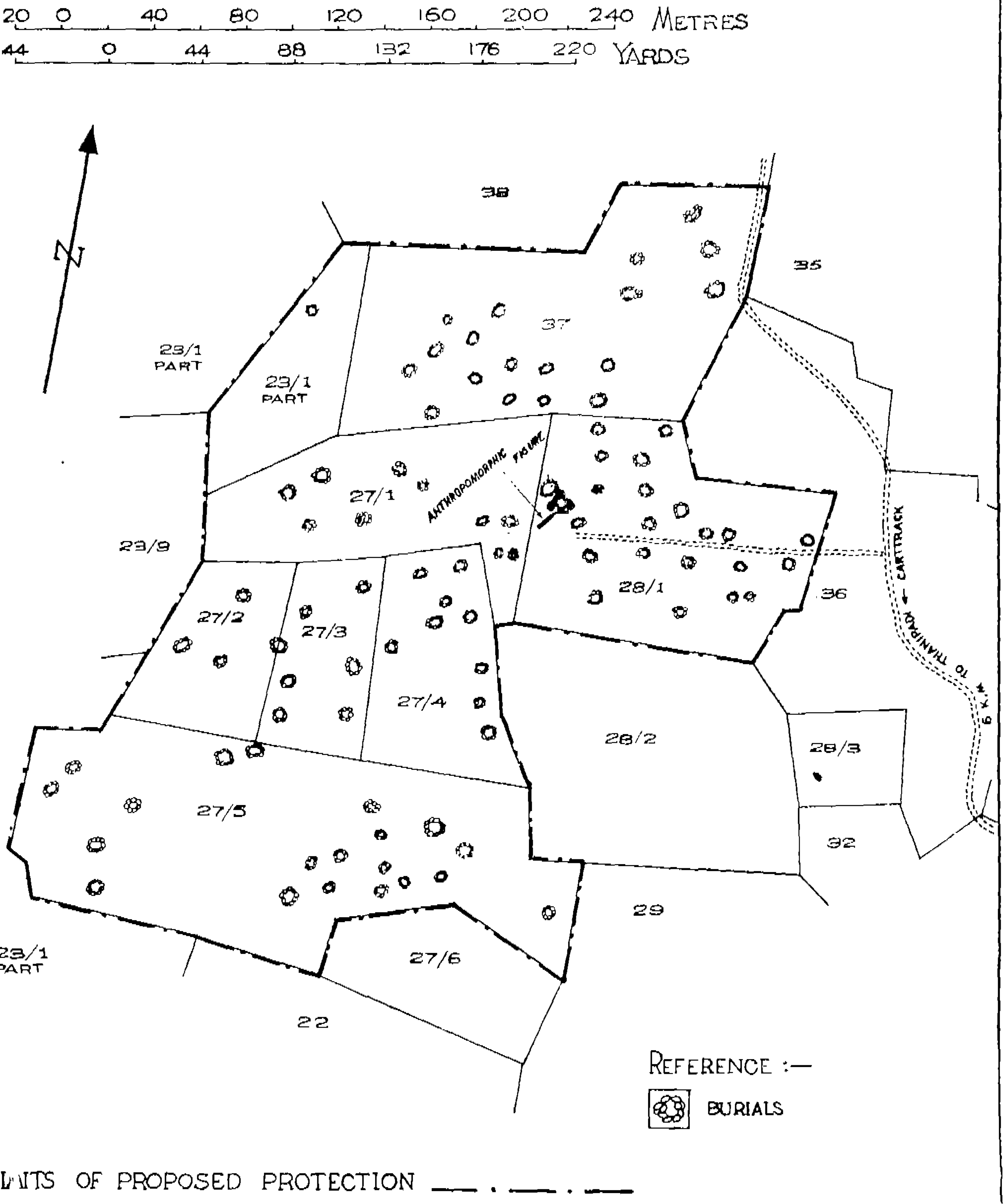

[No. 2/12/76-M]

B.K. THAPAR, Director General and Ex-Officio Jt. S

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1979

का०आ० 2671.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (अधिनियम 1957 का 61) की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि भारतीय टूरिज्म विकास कारपोरेशन को एक होटल के निर्माण हेतु स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

जनपथ और अशोका रोड के जंक्शन पर नई दिल्ली में स्थित साईट सं० 5 की अधिसूचना सं० एस०ओ० 1810 दिनांक 20-7-74 के अनुसार एल० डी० ओ० प्लान सं० 3117/1 लगभग 4-9 एकड़ (1-983 हैक्टर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है:—

उत्तर—सर्विस सड़क

दक्षिण—अशोक सड़क

पूर्व—जनपथ सड़क

पश्चिम—सर्विस सड़क

[सं० एस०एण्ड एस० 33(7)/78-ए०एस०ओ०(1)/(432-34]

हरीराम गोयल, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 21st July, 1979

S.O. 2671.—In pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 22 of the Delhi Development Act, 1957 (Act 61 of 1957), the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land and Development Office, Ministry of Works and Housing, Government of India, New Delhi for further transfer to the Indian Tourism Development Corporation for construction of a Hotel.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 4.9 acres (about 1.983 Hectares) situated at the junction of Janpath and Ashoka Road, New Delhi, bearing Site No. 5 full of Notification No. S.O. 1810 Dated 20-7-74 shown in the plan L.D.O. 3117/1.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : by Service Road.
South : by Ashoka Road.
East : by Janpath Road.
West : by Services Road.

[No. S&S 33(7)/78/ASO(I)/432-34]

H. R. GOEL, Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1979

का०आ० 2672.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा गुजरात सरकार के पदेन-विशेष सचिव (राजस्व) तथा भूमि सुधार आयुक्त को उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन उप महा अभिरक्षक को सौंपे गये कार्यों को निष्पादित करने के लिये उप महा अभिरक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1(3)/विशेष सैल/79-एस०एस०-II]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 17th July, 1979

S.O. 2672.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints the Commissioner of Land Reforms and Ex-Officio Special Secretary (Revenue), Government of Gujarat, as Deputy Custodian General for the purpose of discharging the duties imposed on such Deputy Custodian General by or under the said Act.

[No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS. II]

का०आ० 2673.—निष्क्रान्त सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा गुजरात राज्य के लिये, गुजरात राज्य सरकार के राजस्व विभाग में कार्य कर रहे उप सचिव (पुनर्वास) को, उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन अतिरिक्त अभिरक्षक को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के लिये, तत्काल प्रभाव से, अतिरिक्त अभिरक्षक, निष्क्रान्त सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 1(3)/वि०सै०/79-एस०एस०-2]

दीना नाथ असीजा, संयुक्त निदेशक

S.O. 2673.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints for the State of Gujarat the Deputy Secretary (Rehabilitation) in the Revenue Department of the State Government of Gujarat as Additional Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Additional Custodian by or under the said Act with immediate effect.

[No. 1(3)/Spl. Cell/79-SS. II.]

D. N. ASIJA, Jt. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1979

का०आ० 2674.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने कोरबा टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-8-79 से प्रमापित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/79-पी०एच०बी०]

आर०सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी०एच०बी०)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 24th July, 1979

S.O. 2674.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-8-1979 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Korba Telephone Exchange, M.P. Circle.

[No. 5-6/79-PHB]

R. C. KATARIA, Asstt. Director General (PHB)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1979

का०आ० 2675.—खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री विद्या भूषण को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन निरीक्षक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० ए०-12025/1/77-एम०-1]
मीना गुप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th July, 1979

S.O. 2675.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Bidya Bhushan Prasad as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/1/77-M. I]
MEENA GUPTA, Under Secy.

New Delhi, the 20th July, 1979

S.O. 2676.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workman, which was received by the Central Government on the 17th July, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 8 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Ltd., P. O. Jamadoba, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary, Janata Mazdoor Union, P. O. Jharia, Dhanbad.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 11th July, 1979

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/68/78-D. III(A), dated, the 15th June, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, in dismissing Shri Ram Charan Mondal, Oil Mazdoor, from service with effect from the 24th June, 1977, is justified : If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The parties have filed a settlement. The terms of the settlement are verified. They appear to fair and proper. The award is given in terms of the settlement which shall form part of the award.

[No. L-20012/68/78-D. III(A)]
S. N. JOHRI, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 1, DHANBAD

Reference No. 8 of 1978

Employers in relation to the Management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P. O. Jamadoba, District Dhanbad.

AND

Their Workman (Sri Ram Charan Mandal)

(Industrial Disputes U/s 2A of I.D. Act)

Both the parties abovenamed beg to submit that the dispute under Reference has been amicably settled on the following terms :—

1. That Sri Ram Charan Mandal, Oil Mazdoor, 6 & 7 Pits Jamadoba Colliery will be reinstated in his service.
2. That the period of his idleness from 24-7-1979 to the date he joins, will be treated as leave without wages and shall not be entitled to or claim any back wages for the period from 24-7-1979 till the date of his re-instatement. He shall, however, be given continuity of service.
3. That the above terms of settlement finally resolve the dispute between the parties and there remains no further dispute which needs adjudication by Hon'ble Tribunal
4. That the above terms of settlement are fair and have voluntarily arrived without any pressure or influence from any quarter.

It is therefore humbly prayed that the above terms of settlement may kindly be accepted and Award passed in terms thereof.

Sd/-
(Ram Chandra Mandal)
Workman Concerned.

Sd/-
(S. S. Mukherjee)
Advocate
for Employers.

S.O. 2677.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the maangement of Washing Plant, Jamadoba of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th July, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 27 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of Washing Plant, Jamadoba of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamaboda, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—Shri D. L. Sen Gupta, Advocate with Sri S. Bose.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 10th July, 1979

AWARD

This is a reference made by the Govrnment of India in the Ministry of Labour vide it's Order No. L-20012/102/78-D.III(A) dated, 13-9-1978, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the demand of the workmen of Washing Plant, Jamadoba of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited, Post Office Jamadoba, District Dhanbad, for upgradation of the following Fitter-cum-Operators from grade 'D' Technical to grade 'C' Technical, is justified ? If so, to what relief are the said workmen entitld ?

Sl. No. Name of the workers

1. Shri Sohan Singh
2. Shri Gurubachan Singh
3. Shri S. P. Das
4. Shri Indu
5. Shri R. K. Mishra
6. Shri Md. Usman
7. Shri T. Khan
8. Shri T. D. Chakraborty
9. Shri T. Ghatak
10. Shri A. Sharma
11. Shri H. N. Tewary
12. Shri Mahendra Sharma
13. Shri Ganpati Singh
14. Shri Gurumukh Singh
15. Shri Balbir Singh
16. Shri A. Acharya
17. Shri S. M. Shabuddin
18. Shri Sabauddin.
19. Shri Arjun Vishwakarma
20. Shri A. N. Panthaki
21. Shri Hari Narain Ram
22. Shri Basudeo Prasad
23. Shri Shesh Nath Pandey
24. Shri R. B. Singh
25. Shri Shankardeo Choubey
26. Shri Muslim II
27. Shri Ajit Singh
28. Shri Saddique
29. Shri H. K. Bose
30. Shri E. Prabhakaran
31. Shri M. Mustafa
32. Shri B. P. Singh
33. Shri B. N. Paul
34. Shri Suren
35. Shri N. Mudi
36. Shri Ram Nath
37. Shri Pratip Das
38. Shri Sagir
39. Shri Nagar Singh
40. Shri Balwant Singh
41. Shri Jakir Hussain
42. Shri Narshing Sharma
43. Shri Ram Prasad Mahato
44. Shri Umashankar
45. Shri Baliram Pandey."

2. It is not disputed that the Coal Washing Plant, Jamadoba was started sometime in the year 1952 for the purpose of treatment of coal, belonging to the 5 captive mines of Tatas, as an integral part of coal mining operation so that the washed coal is supplied to the Iron & Steel Plants of TISCO at Jamshedpur. Till the year 1972 the coal of the size of 20 mm to 75 mm could be treated in this plant because there was no machine to treat still finer size of coal. In the year 1972 a new section known as Fine Treatment Section was started with the introduction of more sophisticated imported machine for treating 0 mm to 20 mm size finer coal. The machine, Wap Centrifuge, is fitted with 5 motors. It is heavy and most sophisticated and is meant for drying the fine variety of treated coal. Mechanised system of loading of washed coal and middling of coal was also introduced in this section.

3. Upto 1972 the crew of workmen who handled the then existing machines were designated as operators, Electrical fitters, or Mechanical Fitters. In 1972 when sophisticated machines were introduced a class of workmen known as Fitter-cum-Operators was brought into existence consisting of persons who are either electrical fitters-cum-operators or mechanical fitters-cum-operators The first batch of this category was given on the job training with the foreign experts who had come to install the sophisticated machines. The subsequent batches are given on the job training by the local officers and experts. No Separate training course was or is arranged for these fitters, cum-operators. The job description contained in Ext. W-8 and Ext. W-9 and now admitted by the management's witness Sri I Mahmood, Superintendent of washeries forms part of this award as Annexure I. In short the fitter-cum-operator looks after the operation of the machines as well as do the preventive maintenance (routine type) and attend to Inservice maintenance in case of break down. His immediate superiors, in the hierarchy, are Asstt. Foreman, Foreman and Asstt. Junior Engineer who act as supervisory staff. He has however been placed in the category of technical grade D, graded scale of which was revised, as per agreement between the management and RCMS Union which has sponsored the present disputes to Rs. 375—650 (Combination of the scales of Cat. V and VI). Technical Grade D fitters-cum-operators however claim to be placed in technical grade 'C' having the scale of Rs 442—734. It is again not disputed that old operators, electrical fitters and mechanical fitters are also in Technical Grade D. On the other hand, electro-mechanics, who do the job of electrical and mechanical fitters in the mines and crane operators and triple operators are in technical Grade 'C'.

4. The union raised the demand that Fitters-cum-Operators should also be placed in technical Grade 'C' but the management did not acceed to it. The matter was taken to the A.L.C. for conciliation. At first the management sought time to attempt Bi-partite settlement and the case was closed before the A.L.C., but thereafter it had to be re-opened because the management and the union could not come to terms in Bi-partite negotiations. Even Tri-partite negotiations before A.L.C. failed and he had ultimately to submit the failure report on account of which the present reference has been made by the Government of India for the adjudication of the aforesaid dispute.

5. The case of the union is that though they are handling quite sophisticated machines and performing double duties of electrical as well as mechanical fitters simultaneously, as the electro-machs placed in C category are doing, yet on the one hand they are being discriminated with them and placed in category D while on the other hand they are being equated with the old mere fitters or mere operators who are doing only one type of job. It is alleged that several fitters-cum-operators are doing electrical as well as mechanical fitters' job simultaneously besides operating the machines.

6. Management's case is that there is no fitter-cum-operator who is competent to attend to both electrical and mechanical fitters' job. The fitters-cum-operators are merely operators, except that they do routine maintenance work and manage minor repairs. There is a separate maintenance crew who attends to major break down. No formal training was given to these persons and they have not acquired any formal qualification for the performance of double duties. They are either doing the work of operators or of fitter and not the two simultaneously. There is no additional work load. Their scale has already been revised under an agreement with the recognised RCMS union under wihch scales of Category V and VI were combined into one running Grade Rs. 375-650. As against them electro-mechanics have been given extensive training and have been equipped with technique and qualification to simultaneously do the work of electrical and mechanical fitters. The old operators, electrical or mechanical fitters have been equated with fitters-cum-operators because their duties are interchangeable They are discharging the similar duties. There is thus no justification for placing fitter-cum-operator in technical Grade 'C'.

7. Due to the very nature of the job of operator-cum-fitters it is not possible to do electrical or mechanical fitting in a machine and operate it simultaneously. The machine itself will not start or work unless fittings are complete and no fitting will be required to be done when the machine is being operated. Open the other hand it is quite feasible and convenient in the case of electro-mechs to do electrical and mechanical fittings simultaneously. Therefore it is meaningless to distinguish between the double duties of fitters-cum-operators from the electro-mech on the ground of non performance and performance of the two jobs simultaneously. Both of them are equipped with the technique of discharging two types of jobs and are expected to do one or the other type of the job as and when the need arises for doing the same. It is not a must that electro-mechs should do electrical and mechanical fittings simultaneously even when the failure is either mechanical or electrical only. Their type of performance whether electrical or mechanical or both shall depend on the need of the machine. Similarly it will depend upon the need of the machine whether fitter-cum-operator is required to do fitter's or operator's job. He is like electro-mechs equipped for doing both the trades. This reason for distinction thus artificial.

8. The other reason of distinction is that electro-mechs were given formal training, those who were electricians were trained on mechanical trade and the others who were mechanical fitters were trained on electrical side. This is how they came to acquire proficiency in both the trades. As against that fitters-cum-operators were given only on-the-job training which did not entail giving any certificate at the end. Training is training after all whether the management names it or gives it the colour of formal training followed by issuing certificates at the end or calls it as on the job training with out the award of any formal certificate. The certificate has no meaning unless recognised or given by some academic or technological educational institution. The certificate that a man actually worked as fitter-cum-operator in Tatas for so many years will be of much more value than a mere certificate than a workman had undergone six months formal training as electro-mech. In any case certificate or no certificate is immaterial till both are in the employment of Tatas doing their respective jobs utilising their acquired skill of performing two types of jobs. Giving the training a formal shape entirely depends upon the sweet will of the management. Simply by giving formal shape to one and not to the other the management cannot introduce an artifical ground of distinction. In effect in both the cases the management equips the workman with another type of trade with the object of utilising that acquired skill for the benefit and more efficient running of the industry. Many times on the job training, being wholly practical, instils much more efficiency in a man than a formal theoretical training with hardly a few practicals to do. I am therefore of the opinion that this ground of distinction is only a part of the process of attempting to discover some artificial excuse here or there. In fact there appears to be no distinction between an electro-mech and a fitter-cum-operator and no reason to place them in two separate categories, one higher than the other.

9. Similarly a person trained in one trade could not be equated with a person who has been deliberately trained in two trades for the better and more efficient running and management of more sophisticated machines. It is thus unjust to equate a fitter-cum-operator with a mere fitter or mere operator. It is management's choice to pull up old mere opera-fitters and old mere operators to a better grade but certainly these mere fitters or operators cannot have the gravitational force to pull down the better equipped fitter-cum-operators to their own chambers from the chamber of electro-mechs where their real seat should be. Annexure-I gives a vivid picture of their independent charge of the machine and area and the extent of multifarious duties that they are required to perform.

10. Still other reason of distinction advanced by the management between Electro-mechs etc. and Fitter-cum-Operators is that the electro-machs etc. were in Grade C from the very beginning while Fitter-cum-Operators were in Grade D since the inception of that class. The allegation that Electro-mechs etc were in Grade C from the very beginning is supported by the oral statement of Sri I. Mahmood MW-1. Not only that no rebutting evidence on this point was produced by the union, but also that union abstained from cross-examining M.W. 1 on this point. The union did not call for the service record of the Electro-mechs etc. from the management. When the management's oral testimony of M. W-1 stood unchallenged and unrebutted there was no need for them to supplement the same. Under the circumstances no adverse inference need be raised from the non production of the best evidence of their service records. Case law cited about the raising of adverse inference where best evidence is withheld has no applicability to the facts of the present case. However even if the Electro-mechs etc. enjoyed Grade C from the very beginning it is no ground for not upgrading Fitter-cum-Operators specially when since the creation of these double duty posts no job analysis was done for fixing them in a Grade. They were previously in Grade D so they were simply allowed to drift in that Grade even when they became better qualified.

11. Manakement's difficulty that if they are given Grade C they will become equal to their immediate superiors namely Asstt. Foreman who are enjoying that grade, and such a placement will require the revision of the grades of the whole hierachy for maintaining a difference between a supervisor and a workman, also appears to be unreal. If electro-mechs and their supervisors Asstt. Foremen can both be under Grade C without causing any complication for the last so many years. why a bogie of apprehended dissolution of hierarchy or revision of the whole wage structure of the superior officers, should be raised in the case of Fitters-cum-Operators. The management has no other ground to press against the demand of these workmen.

12. Now the question is about the date from which they should be deemed to have been placed in Grade C. Learned counsel for the workmen wants me to make the award retrospective from 14-5-1976 the date on which the demand was refused by the management. In fact the Fitter-cum-Operators are doing the double duty since 1972. If they could wait for about four yeare withous raising a formal demand, they could well wait till the date of publication of this award. It will not be proper to burden the industry with the arrears.

13. It is, therefore, held that the demand of these 45 Fitter-cum-Operator for being upgraded to Grade C is justified. The management should place them in that Grade with effect from the date of publication of this award. It shall further pay Rs. 200 as costs to the union. Reference is answered accordingly.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

[No. L-20012/102/78-D.III(A)]

ANNEXURE I

DUTIES AND RESPONSIBILITIES OF FITTER-CUM-OPERATOR AS PER EXT-W-8.

(1) Operation and maintenance of conveyors and its accessories.

(2) Operation and maintenance of various pumps. Compressors, engines, locos, etc.

(3) Operation and maintenance of various equipments, like screens, crushers.

(4) Maintaining the records, reports and inspection sheet of the equipments.

(5) Cleaning and housekeeping of the equipments and the area in your charge.

DUTIES AND RESPONSIBILITIES OF FITTER-CUM-OPERATOR

AS PER EXT. W-9.

1. OPERATION.	2. MAINTENANCE.
	(General Maintenance).
(1) Starting Centrifuges, setting one adjustment of the centrifuges.	(a)(1) Changing of centrifuge basket nets, cutting tools.
	(2) Changing of peeling arms.

1	2	3
	(2) Starting, stopping, checking of 502 pump, 310 pump 3 Nos of conveyors mixer, cyclois preparation of floculent and charging of the same in thickener at different intervals.	(3) Checking and adjustment by drolic systems. (4) Bearing fittings. (5) Overhauling of 502 and 310 pumps.
	(3) Operation of thickener, lifting lowering according to the pressure and observation at different intervals.	(6) Belt joining and re-repairing. (7) Repairing of screw conveyor by welding.
	(b) Control Stand 1	**(b) In service Maintenance.**
	(1) Starting stopping off derms. dilute media preparation pumps and	Rectification of break down during operation. **General Maintenance** : (1) Over hauling of will fly pumps of two stage-150 K.W. and 50 K.W.
	(2) Operation of Ball-mill media preparation pumps and cyclone.	(2) Maintenance of ball mill drum, gear box, driving pinion etc.
	(3) Volume control of both the pump tank and process control up to three floors.	(3) Inter changing the pump by shifting heavy pipe bend. (4) Recovery of spilled manetic from pump pit by washin. (5) Rectification and any kind of break down during operation (service maintenance).
	(c) Control Stand-2	**(c) General Mainitenance.**
	(1) Starting stopping of screw 3 magnetic seperators	(1) Changing of pannels, pannel frames, shieve head, cyclones cyclonis nozzels. Noel centrifuge basket. cutters, vee belts.
	(2) Operation of One (1) Noel centrifuge and two conveyors	(2) Lubrication pump changing and over-hauling.
	(3) Crashing of magnetite by impactor and lifting.	(3) Over hauling of conveyors belts, Vee belt of screens.
	(4) Cleaning shieve bends throughout the shift.	(4) Changing of bearing and rejointing of conveyors.
	(5) Watching the operation through out the shift. Obsecervation of 209, 2092 cyclones for proper flow's 229 cyclones.	(5) Changing impactor hammers and wear plates.
	(d) Control Stand -3	**(d) Inservice Maintenance**
	(1) Operation of 4 Nos. of secreens, operation of 7 Nos. of conveyors.	(1) Clearing of separator when jammed.
	(2) Operation of one crusher, 2 shakers, 2 picking belt (Plate.)	(2) Cap filling of the screen pannel if found.

1	2	3
	(3) Watching of Crusher chute, chutes picking plates, conveyors gear boxes and motor etc.	(3) Training of the conveyors if it is running out. (4) Cleaning of Noel Centrifuge basket when jammed. (5) Cleaning of secondary separator under flow pipe when jammed.
	(e) Rejection crasing section.	**(e) Inservice Maintenance.**
	(1) Operation 2Nos. of belt.	(1) Fitting of the missing belts of the screens.
	(2) Operation heavy impactor, screen.	(2) Repairing of the nets of the screens (3) Gap filling of the screen pannels and shive bends clearing the nozzels of water sprays and adjusting. (4) Clearing the discharge chutes of the conveyors crusher, changing Vee' Belts of the screen if needed. (5) Training of the conveyors of his section.
	(f) Section 4	**(f) General Maintenance.**
	(Loading Point) It is also a most mechanised and modern loading system. This type of loading point is also no where in the country other than our plant.	(1) Changing of pannels, pannel frames, gears, bearing screen nets, shieve bends diffecter rubbers, couple belts gear boxes, overhauling of the conveyors
	(1) Operation of 6 Nos. of conveyors. (2) Setting and adjustment of electronic digital control for each wagon.	(2) Overall checking of the stand. (3) Welding & gas cutting if necessary.
	(3) Maintaining the detail records making declaration notes, P.D. notes, label cutting etc.	(g) General. (1) Changing of impacter hammers, wear plates. (2) Rejointing of coveyors. (3) Checking and tensioning 'Vee' belts. (4) Clearing the discharge chutes of the conveyor **(h) Maintainance (In required to loading point.)** (1) Checking of all the conveyors joints gear boxes, discharge chutes, coupling bolts, oil levels etc. (2) Rejointing the repairing of the conveyors scrappers charging and adjusting as required. (3) Changing coupling pad, coupling bolts etc.

S.O. 2678.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Giridih Colliery of Central Coalfields Limited, Post Office and District Giridih and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th July, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD.

In the matter of a reference under Sec.10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 50 of 1978

PARTIES : Employers in relation to the management of Giridih Colliery of Central Coalfields Ltd., P.O. and Dist. Giridih.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri T.P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen : Shri J.N. Rana, Secretary, United Coal Workers Union, Giridih Branch.

State : Bihar ; Industry : Coal.

Dhanbad, dated, the 10th July, 1979.

AWARD

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide it's Order No. L-20012/156/78-D.III (A) dated the 8th December, 1978, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the demand of the workmen of Giridih Colliery of Messrs Central Coalfields Limited, Post Office and District Giridih for payment of wages to the following 32 workmen for the period from 6th June, 1978 to 23rd June, 1978 is justified ? If so, to what relief are the said workmen entitled ?

Sl. No.	Name	T.No.
1	2	3
1.	Ram Ratan Yadav	—
2.	Lacho Chamar	3738
3.	Dukhi Mali	3330
4.	Nunuman Mali	3496
5.	Baiju Manjhi	2226
6.	Beiju Manjhi	3445
7.	Dholo Bundi	3097
8.	Brahim Meah	7411
9.	Dego Gope	6494
10.	Bishan Gope	6495
11.	Ghanshyam Gope	6493
12.	Sukar Gope	1832
13.	Gohim Manjhi	3561
14.	Charke Manjhi	4283
15.	Ramjan Meah	3750
16.	Abdul Meah	4206
17.	Narayan Chamar	7434
18.	Tajmel Meah	14910
19.	Rama Manjhi	3466
20.	Ramid Meah	61
21.	Narayan Tali	3584
22.	Allauddin	3379
23.	Shital Shaw	1
24.	Kurban Meab	3672
25.	Safi Meah	7099
26.	Thambhi Chamar	3669
27.	Juman Meah	7436
28.	Edo Mian	6475
29.	Chhotka Manjhi	6461
30.	Jate Manjhi	6469
31.	Alli Hussain Mian	3396
32.	Hanif Mean	14869"

2. The parties have filed a settlement. The terms of the the settlement are verified. They appear to be fair and proper. Award is given is terms of the settlement which shall form part of the award.

S. N. JOHRI, Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT DHANBAD

Reference No. 50 of 1978

Employers in relation to the Management of Giridih Colliery.

AND

Their Workmen

(Represented by the United Coal Workers Union, Giridih Branch, Giridih)

The parties beg to state as follows :—

That after the reference was made and steps were taken the parties entered into negotiations with a view to settle the disputes out of Court and after prolonged discussions, the dispute has been afebmicably settled between the parties on the following terms :—

That without prejudice to the stand taken by the parties in their Written Statements, it agreed that each of the concerned workmen will be paid 50 per cent of their dues for the period from 16-6-1978 to 23-6-1978 in full and final satisfaction of their claim as per details mentioned in the annexure.

(b) That parties shall bear their own costs.

(c) That since the above settlement is fair and reasonable it is prayed that the Hon'ble Tribunal will be pleased to give its award in terms of the above settlements.

Sd/- Sd/-

Illegible

For & on behalf of the Workers

For & on behalf of The Management.

[No. 20012/156/78-D-III(A)]

S.H.S. IYER, Desk Officer

का०आ० 2679.—केन्द्रीय सरकार, ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 340 तारीख 11 जनवरी, 1979 द्वारा पाइराइटस खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 27 जनवरी 1979 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था ;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त

अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 27 जुलाई, 1979 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस० 11017/13/79-डी०-1(ए)]

S.O. 2679.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 340 dated the 11th January, 1979, the pyrites mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 27th January, 1979;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 27th July, 1979.

[No. S. 11017/14/79/DI(A)]

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1979

का०आ० 2680.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखंड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 339 तारीख 11 जनवरी, 1979 द्वारा फासफोराइट खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये 27 जनवरी, 1979 से छः मास की कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है;

अतः, अब, औद्योगिक अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को 27 जुलाई, 1979 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[सं० एस०-11017/14/79-डी० 1(ए०)]

एल० के० नारायणन्, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 20th July, 1979

S.O. 2680.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 339 dated the 11th January, 1979, the phosphorite mining industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 27th January, 1979;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 27th July, 1979.

[No. S. 11017/14/79/D.I(A)]

L. K. NARAYANAN, Desk Officer

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1979